जयपुर

# माहेश्वरी पत्रिका

वर्ष 11 अंक 2 जुलाई 2020 मूल्य ₹ 10

# ताजगी भरा अहसास, हर कप के साथ

माहेश्वरी चाय

हमारा इरादा, आपकी संतुष्टि ज्यादा से ज्यादा

आसाम के बागानों की ताजा चाय

**माहेश्वरी चाय के अलावा अन्य कोई उत्पादन हमारी कम्पनी का नहीं है।**

**ग्रीन–टी** भी उपलब्ध

स्थापित 1961

## माहेश्वरी टी कम्पनी प्रा. लि.

नाहरगढ़ रोड, चांदपोल बाजार, जयपुर ( राज. ) फोन : 0141– 2740919, 2312723
E-mail : contact@maheshwaritea.com • www.maheshwaritea.com

मिलते–जुलते नाम व पैकिंग से सावधान !!!

SIDDHI

# किसके रोके रुका है सवेरा...

समाज एक बहुत ही व्यापक शब्द है। समाज से मिलकर राज्य और राज्यों से मिलकर देश बनता है। अपने देश के प्रति प्रेम और त्याग की भावना रखना हर समाज का कर्त्तव्य है। इस समय देश, यूं कहिए कि पूरी दुनिया संकटकाल से गुजर रही है। कोरोना संक्रमण ने सबको भयभीत कर रखा है। लंबे समय तक लगे लॉकडाउन में लोगों को अपने घरों में रहना पड़ा है। इनमें से कुछ तनाव के शिकार हो गए। कहते हैं कि हर रात की सुबह होती है, कोरोना रूपी रात्रि की सुबह हुई तो है, लेकिन यह सुबह अभी कुछ धुंधली सी है। सूरज का उजास अभी पूरी तरह नहीं फैल पाया है। उस पर कुछ बादल आ गए हैं।

सुबह खुशनुमा बने, इसके लिए हमें आपस में प्रेम और सहयोग से रहना है। दूसरों की सेवा करना मनुष्य का सबसे बड़ा धर्म है।

हमें यह कहते हुए प्रसन्नता हो रही है कि माहेश्वरी समाज सेवा भावना में बहुत आगे है। देश-विदेश में जहां भी माहेश्वरी बंधु हैं, उन्होंने मेहनत व ईमानदारी से अपनी पहचान बनाई है। दीन-दुखियों की सेवा और धर्म-कर्म के काम में वह कभी पीछे नहीं रहे।

प्रदीप बाहेती

इस साल हम स्वतंत्रता दिवस की 73वीं वर्षगांठ मना रहे हैं। इस अवसर पर मैं यह कहना चाहूंगा कि माहेश्वरी समाज की पहचान ज्यादातर व्यवसायी वर्ग के रूप में रही है। इसमें कोई संदेह नहीं है, कि व्यवसाय करना हमारा प्रमुख कार्य है, लेकिन हमारे पूर्वज व्यवसाय के साथ-साथ देश सेवा में भी संलग्न रहे हैं। यहां तक कि देश की आजादी की लड़ाई में भी उन्होंने बढ़-चढ़कर भाग लिया। अन्य लोगों की तरह माहेश्वरी समाज भी अंग्रेजों को देश से खदेड़ देना चाहता था। वे गांधीजी, लोकमान्य तिलक व लाला लाजपत राय द्वारा चलाए गए आंदोलनों में बढ़-चढ़कर भाग लेते थे। अनेक लोग वर्षों तक कारागार में रहे। स्वतंत्रता आंदोलन से जुड़े माहेश्वरी समाज के गौरवशाली इतिहास से नई पीढ़ी को अवगत कराना चाहिए।

स्वतंत्रता का पर्व तो हम सब मना ही रहे हैं। इसके अलावा रक्षा बंधन, श्रीकृष्ण जन्माष्टमी, गणेश चतुर्थी आदि पर्व भी इन्हीं दिनों हैं। अनेक लोग पर्वों को लेकर जहां एक ओर खुश हैं, वहीं दूसरी ओर कोरोना ने उन्हें तोड़कर रख दिया है। पर्वों-त्योहारों के प्रति उनका जोश कम हो गया है।

मेरी सबसे अपील है कि अपने उत्साह, जोश में कोई कमी नहीं आने देना है। मनुष्य के साहस की पहचान संकट में ही होती है। हो सकता है कि ईश्वर हमारी परीक्षा ले रहा हो, इसलिए हमें बिलकुल भी निराश नहीं होना है। हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि-

*रातभर का है मेहमां अंधेरा,*
*किसके रोके रुका है सवेरा।*

सभी समाज बंधुओं को स्वतंत्रता दिवस, रक्षा बंधन, श्रीकृष्ण जन्माष्टमी व गणेश चतुर्थी की शुभकामनाएं।

D.P. Biyani

# J B Jewellers

## The Name of Divine Jewellery

***Deals in:*** *Mfg.& Wholesaler of Diamond Jewellery, Available Certified Diamonds & Precious Stones*

***Note:-*** *Also Deals in Kundan Meena Jewellery*

SIDDHI

329. F-5, Lalaniyon Ka Chowk, Gopal Ji Ka Rasta, Johari Bazar, Jaipur- 302003
(O) 0141-2560108,(M) 9414042208 E-Mail : jbjewellersjaipur@gmail.com

वर्ष 11 | अंक 2 | जुलाई, 2020
RNI NO. RAJBIL/2010/36984

2621644
2623500
2621100

जयपुर
# माहेश्वरी पत्रिका
JAIPUR MAHESHWARI PATRIKA

प्रशासनिक कार्यालय : तृतीय तल, एम.पी.एस. इंटरनेशनल स्कूल, तिलक नगर, जयपुर
पंजीकृत कार्यालय : श्री माहेश्वरी भवन, सिंघी जी का रास्ता, चौड़ा रास्ता, जयपुर
Email : shrimaheshwarisamaj.jaipur@gmail.com
jmpatrika@gmail.com
Website : www.shrimaheshwarisamaj.org

विशेषांक सम्पादन :
चन्द्रमोहन शारदा
सलाहकार :
रमेश चन्द जाखोटिया ( संगठन मंत्री )
बृजमोहन बाहेती
संध्या चितलांग्या
राजेन्द्र गट्टानी
जयकृष्ण पटवारी
प्रबन्ध सम्पादक :
सुनील अजमेरा ( मालवीय नगर )
सह-प्रबन्ध सम्पादक :
विनोद अजमेरा
सह-सम्पादक :
सी.ए. राजकुमार गट्टानी
सी.ए. दिलीप सारड़ा
निरंजन राठी
सतीश नागौरी ( तोषनीवाल )
किशन स्वरूप कालानी
रमेश सोढानी
पंकज काबरा
प्रवीण भूतड़ा
पंकज चितलांग्या
सम्पादकीय टीम :
सुनील कुमार नौगजा
हेमन्त कुमार सोमानी
लालचन्द कचोलिया
सुभाष काबरा
द्वारका प्रसाद तापड़िया
कमल किशोर मूँदड़ा
बालकृष्ण जाजू 'बालक'
सी.ए. वरूण धूत
महेश अजमेरा
विज्ञापन समन्वयक :
श्रीकिशन अजमेरा
विज्ञापन संयोजक :
रामकृष्ण बागला
विज्ञापन सह-संयोजक :
नवलकिशोर माहेश्वरी ( तोषनीवाल )
अंकुर बल्लभ चितलांगिया
विज्ञापन संकलन टीम :
देवेन्द्र झंवर, गोपाल तामड़ी
जयकुमार चांडक
सी.ए. योगेश जाजू
अरविन्द आगीवाल
अमित चांडक, डॉ. रमेश मालू
साज-सज्जा
कैलाश प्रजापत
आभार : दैनिक भास्कर

**गोपाल लाल मालपानी**
महामंत्री

**सतीश कुमार सारडा**
प्रचार मंत्री

**रामदास कोठ्यारी**
संपादक

गोपाल लाल मालपानी-महामंत्री द्वारा श्री माहेश्वरी समाज, जयपुर के लिए प्रकाशक व मुद्रक

# नए फूल कल फिर, डगर में खिलेंगे

## वर्तमान परिस्थितियों में सकारात्मकता जरूरी

कोरोनाकाल में बहुत से लोगों का मन नकारात्मकता से प्रभावित हुआ है। नकारात्मकता के कारण डर, चिन्ता, हताशा एवं अवसाद मन पर कब्जा कर रहे हैं। इस काल में लोग ज्यादा चिंतित हो रहे हैं क्योंकि अपनी चिन्ताओं को वे किसी को कह नहीं पा रहे हैं क्योंकि भविष्य में वे उजास नहीं देख पा रहे हैं। लगातार बना मानसिक तनाव रोगों में भी बदल सकता है। यह तनाव लम्बे समय तक रहने से मनुष्य को मानसिक रूप से कमजोर कर रहा है। इन विकट परिस्थितियों के बावजूद जीवन की गाड़ी पटरी पर लौट रही है। यही वह समय है जब जीवन में कुछ सीखने का जो कि बड़ों से, वक्त से या अपने अनुभव से सीखा जा सकता है।

जीवनयापन के लिये घर से तो निकलना ही पड़ेगा लेकिन बाहर निकलें तो वो सभी सावधानियाँ बरतनी होंगी जो न केवल आपको वरन् आपके परिवार को भी सुरक्षित रखेगी। निराशावाद को परास्त कर आशावाद की ओर कदम बढ़ाना होगा। इस आशा के साथ कि-

*कभी सुख कभी दुख, यही जिन्दगी है*
*ये पतझड़ का मौसम, घड़ी दो घड़ी है*
*नये फूल कल फिर, डगर में खिलेंगे*
*उदासी भरे दिन, कभी तो ढलेंगे*
*भले तेज कितना, हवा का झोंका*
*मगर अपने मन में, तू रख यह भरोसा*
*जो बिछड़े सफर में, तुझे फिर मिलेंगे*
*उदासी भरे दिन कभी तो ढलेंगे।*

हम सौभाग्यशाली हैं, जिन्होंने भारतवर्ष में जन्म लिया, जहाँ प्रत्येक दिन कोई न कोई उत्सव मनाया जाता है। शायद इन उत्सवों को मनाने के पीछे यही भावना रही होगी कि जीवन में उदासी भरे दिन ज्यादा समय तक न रहें। मानसून के आगमन एवं बारिश की पहली फुहार के साथ त्योहारों के आगमन की शुरुआत हो चुकी है। जीवन में आये एकाकीपन को खत्म कर वापस आपको उत्साहित करने, ये उत्सव एवं त्योहार आपके जीवन में नया रंग भरेंगे।

श्रावण मास में 'शिव आराधना' से शुरू होने वाले मास के बाद, भगवान कृष्ण के जन्मोत्सव के रूप में जन्माष्टमी, भगवान शिव और माता पार्वती के पुत्र 'गणेश' को समर्पित पर्व 'गणेश चतुर्थी', घेवरों एवं सातू की खुशबू एवं इसके रसास्वादन के साथ सुहागिन स्त्रियों के अखण्ड सौभाग्य के दायक पर्व छोटी तीज व बड़ी तीज एवं बहन-भाई के रिश्ते की अटूट डोर का प्रतीक रक्षा बंधन पर्व हर परिवार में उल्लास का वातावरण बनायेगा। इन पर्वों के अलावा बछबारस, राधाष्टमी एवं अनंतचतुर्दशी भी आ रही है, आपके आंगन में परस्पर प्रेम एवं खुशियों की बरसात करने।

प्रेम एवं खुशियों की बरसात में भीगने से पहले पुनः आपसे अनुरोध है कि 'संक्रमण' के इस विषम काल में त्योहारों व पर्वों को मनाते समय सावधानियाँ जरूर बरतें।

आप सभी को आने वाले त्योहारों एवं पर्वों की हार्दिक शुभकामनाओं के साथ।

**रामदास कोठ्यारी**
-सम्पादक

जन्माष्टमी पर विशेष

कृष्ण का जन्म मथुरा में हुआ। वृंदावन में उन्होंने बाल लीलाएं कीं। द्वारका के वे राजा बने और भालका में देह त्यागी। यह चार स्थान कृष्ण के कर्मयोग का केंद्र रहे।

# जीवन जीना और संघर्ष करना सिखाते हैं
# श्रीकृष्ण के 8 सिद्धांत

## कृष्ण जो जीना सिखाते हैं-

**इन चार प्रसंगों से जानिए श्रीकृष्ण ने मुस्कुराहट, प्रेम, दोस्ती और सादगी के लिए क्या किया, कैसे जीवन जीने की कला सिखाई**

### मुस्कुराहट फैलाइए | किसी भी तस्वीर-प्रतिमा में कन्हैया कभी उदास-निराश नहीं दिखते

**श्रीकृष्ण** अकेले ऐसे ईश्वर हैं जो चाहे तस्वीर हो या मूर्ति कभी उदास-निराश दिखाई नहीं देते। उनका चेहरा हमेशा मुस्कुराहट से चमकता दिखता है। वे नृत्य करते हैं, लीला करते हैं। आजीवन मस्ती में झूमते रहते हैं, जो भी स्थिति हो-भले ही विरोधी का वध हो अथवा युद्ध। आनंदमय वातावरण हो या गंभीर स्थिति। हमेशा ही उनके चेहरे पर मुस्कान रही। लोग इसे दैवीय गुण मानते हैं। सच्चाई यह है कि यह मानवीय गुण है।

### दोस्ती दिल से निभाएं | श्रीकृष्ण ने मित्रता की खातिर नियम-शर्तों सहित सभी बंधन तोड़ दिए थे

**कृष्ण,** दोस्ती के लिए सारे बंधन तोड़ देते हैं। युद्ध में उन्होंने शस्त्र नहीं उठाने का संकल्प लिया था, लेकिन जब भीष्म के सामने दोस्त अर्जुन को संकट में देखा तो रथ का पहिया लेकर भीष्म की ओर दौड़ पड़े। अर्जुन ने सूर्यास्त से पहले जयद्रथ का वध करने की प्रतिज्ञा ली थी। जयद्रथ को बाहर निकालने के लिए कृष्ण ने सूरज को ढक दिया था। जयद्रथ के रणभूमि में बाहर आते ही अर्जुन ने उसका वध कर दिया।

### प्रेम से रहिए | घर में सुदर्शनधारी कृष्ण नहीं, बांसुरी वाले कन्हैया की ही पूजा होती है

**स्वर्ग** में राधा ने कृष्ण से कहा था कि जब आप प्रेम में थे तब अंगुली पर गोवर्धन पर्वत उठाकर लोगों को बचाया था। और जब प्रेम से अलग हुए तो आपने सुदर्शन चक्र उठाया और विनाश करने लगे। प्रेम आपका सच्चा स्वरूप है। इसलिए घरों में प्रेम में डूबे बांसुरी वाले कन्हैया ही जगह पाएंगे। राधा ने कहा कि भले ही भगवद् गीता में मेरा नाम न हो लेकिन गीता के पूर्ण होने पर 'राधे-राधे' स्मरण ही किया जाता है।

### हमेशा सादगी में रहिए | जेल में जन्मे, ग्वालों संग बाललीला, गोधन की सेवा और वन में देह-त्याग

**ईश्वर** रूप होते हुए भी कृष्ण मनुष्य की तरह रहे। जन्म कारावास में हुआ। उफनती नदी से होते हुए नंद गांव पहुंचे। ग्वालों संग गाएं चराईं। सादगी में दिव्यता-भव्यता का संदेश दिया। कृष्ण ने राजाओं को जीता, लेकिन कभी किसी पराजित का सिंहासन नहीं लिया। हमेशा किंगमेकर रहे। अवतारी शक्ति के बाद भी मनुष्य की भांति देह त्यागी। बहेलिए के बाण से जख्मी होकर भालका तीर्थ में देहत्याग किया।

# कृष्ण जो संघर्ष सिखाते हैं-

इन प्रसंगों से समझिए कि कैसे कृष्ण हर हालात से लड़ना सिखाते हैं। उनके जीवन सिद्धांत अब भी दिशा दिखाते हैं

## चुप न रहें

कनिष्ठा अंगुली पर गोवर्धन उठाकर इंद्र का अहंकार तोड़ा, ग्वालबालों का सम्मान लौटाया

**श्रीकृष्ण** ने गोवर्धन को एक अंगुली पर उठा लिया था। इसमें स्वाभिमान का संदेश है। असल में इंद्रदेव मथुरा, गोकुल और वृंदावन के लोगों को डराकर अपनी पूजा करवाते थे। कन्हैया ने लोगों से कहा कि पूजन बंद कर दो। नाराज इंद्र ने बहुत बारिश की। कृष्ण ने अपनी सबसे छोटी अंगुली कनिष्ठा पर गोवर्धन उठा लिया और लोगों से कहा कि अपनी लाठियों से गोर्वधन उठाएं ताकि विजय में सभी का योगदान हो।

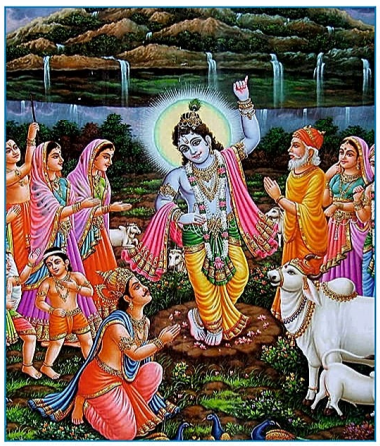

## हिम्मत दिखाएं बलवान से डरे नहीं

16 की उम्र में कंस के प्राण हथेलियों के प्रहार से हर लिए

**श्रीकृष्ण** मार्शल आर्ट के सच्चे जनक थे। इससे कंस के समक्ष मल्लयुद्ध में चाणूर और मुष्टिक नाम के दानवों का अंत किया। इनके वध के समय कृष्ण की उम्र 16 साल थी। मथुरा में रजक का मस्तक हथेली के प्रहार से धड़ से अलग कर दिया था। पूतना सहित कंस द्वारा भेजे गए पांच और दानवों का वध किया था। कंस वध भी कंस के राजदरबार में ही किया था। संदेश था- बलवान से डरें नहीं। विश्वास से मुकाबला करें।

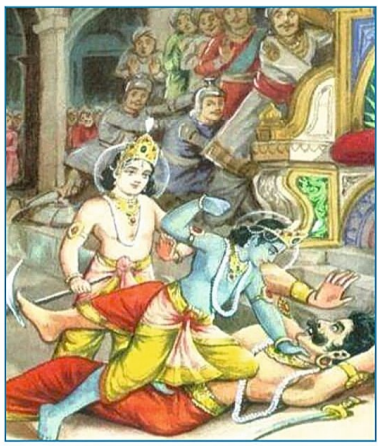

## सहनशील बनो, कायर नहीं

शिशुपाल के 100 अपराध किए सहन, 101वें पर दे दी जीवन से मुक्ति

**कोई** भी दमन सहन नहीं करना चाहिए। शिशुपाल की मां जानती थीं कि उनके बेटे का वध श्रीकृष्ण के हाथ होगा। इसलिए मां ने शिशुपाल के लिए कृष्ण से जीवनदान मांगा। श्रीकृष्ण ने भी उन्हें वचन दिया कि- मैं शिशुपाल के 100 पाप माफ करूंगा। पर शिशुपाल ने कृष्ण को अपशब्द कहना जारी रखा। कृष्ण ने 100 बार उसे माफ किया। जैसे ही शिशुपाल ने 101वां अपशब्द कहा, श्रीकृष्ण ने उसका अंत कर दिया।।

## विजय के लिए व्यूह-रचना

पांडवों को जीत मिली, इसके पीछे कृष्ण का प्रबंधन था

**महाभारत** युद्ध में पांडवों की विजय हुई। इसमें सबसे अहम भूमिका श्रीकृष्ण के प्रबंधन की रही। श्रीकृष्ण महामानव थे, बिना किसी की मदद के सबकुछ कर सकते थे। लेकिन महाभारत में सक्रिय भूमिका के बिना रणनीतिक दक्षता से पांडव विजयी रहे। इसीलिए श्रीकृष्ण मैनेजमेंट गुरु कहलाते हैं। उनकी फिलॉसफी और सिद्धांत रोजमर्रा के जीवन और उसके प्रबंधन में हमेशा कारगर साबित होते हैं।

# कन्हैया ने जहां जन्म लिया.... रास किया और कर्म संदेश दिया

### मथुरा

मथुरा में श्रीकृष्ण जन्मस्थल पर केशव मंदिर बड़ा मंदिर है। यहां कंस का कारावास है। सबसे पूज्यनीय जगह वो काल-कोठरी है। यहीं कन्हैया का जन्म हुआ था।

### वृंदावन

वृंदावन का मंत्र है 'राधे-राधे'। हर बात इसी से शुरू होती है। वृंदावन की हर गली बांके बिहारी मंदिर की ओर जाती है। मंदिर में हर 2 मिनट में पर्दा गिरता है।

### द्वारका

द्वारका में स्वागत हो या विदाई, जय कृष्ण, जय-जय कृष्ण ही कहा जाता है। यहां कृष्ण का बाल रूप नहीं, द्वारकाधीश रूप पूजा जाता है। यहां का मंत्र है जय श्री कृष्णा।

बी.के. शिवानी, ब्रह्माकुमारी

# सफल होने के लिए श्रीकृष्ण की तरह धर्म को ही अपना कर्म बनाएं

श्रीकृष्ण ने हर कर्म में धर्म को ऊपर रखा। रिश्तों में भी धर्म को प्राथमिकता दी। शांति, प्यार, ज्ञान ये आत्मा का धर्म है। हमारा कर्म, धर्म को स्थापित करने के लिए होना चाहिए।

**श्रीकृष्ण** एक ऐसा नाम है, जो हर रूप में, हर कला में, हर विद्या में सम्पूर्णता को दर्शाता है। हर साल लोग जन्माष्टमी बड़े उत्साह और कई रीति-रिवाज निभाते हुए धूम-धाम से मनाते हैं। लेकिन आज के संदर्भ में हर बात को आध्यात्म की नजर से समझने की जरूरत है। जिनको बच्चों से ज्यादा लगाव है वे श्रीकृष्ण को बालगोपाल के रूप में, जिनको योद्धा चाहिए वे महाभारत के रूप में देखते हैं। आज के समय में नेता हों या शासक हर किसी के रूप में समाज को श्रीकृष्ण का रोल चाहिए। आज सभी लोग प्रोफेशनल, पारिवारिक और सामाजिक स्तर पर कई भूमिका निभाते हैं और हर किरदार में सफल होने की कोशिश करते हैं। लेकिन श्रीकृष्ण ने सफल होने की मंशा से कोई भूमिका नहीं निभाई थी। इसलिए अगर आत्मा परफेक्ट होगी तो आप सभी भूमिकाओं में सफल होंगे।

श्रीकृष्ण ने हर कर्म में धर्म को ऊपर रखा। रिश्तों में भी धर्म को प्राथमिकता दी। शांति, प्यार, ज्ञान ये आत्मा का धर्म है। हमारा कर्म, धर्म को स्थापित करने के लिए होना चाहिए। अपने आप से पूछना चाहिए कि क्या धर्म के आधार पर कर्म हो रहा है? कर्म का उद्देश्य क्या है और इससे कैसा परिणाम चाहिए? धर्म को समझना सबसे ज्यादा जरूरी है। कई लोग कहते हैं कि हम तो धार्मिक हैं, धर्म के अनुसार कर्म कर रहे हैं, फिर क्यों हम गलत हो जाते हैं? क्योंकि उन्हीं धार्मिक कर्म-कांड को धर्म मान लिया है जिसमें - आपकी सहूलियत है। सभी धर्म स्थापक शांति, प्यार, पवित्रता और एकता से रहना सिखाते हैं न कि धर्म की स्थापना करना। प्रार्थना करना, नमाज पढ़ाना ये सब एक तरीका था, उस धर्म को संगठित करने का। परमात्मा से जुड़ने के लिए।

श्रीकृष्ण ने भी हर कदम पर यही याद दिलाया। इसीलिए उन्हें सोलह कला सम्पूर्ण, सम्पूर्ण निर्विकारी, मर्यादा पुरुषोत्तम कहा जाता है। धर्म का मतलब है आत्मा का धर्म। जैसे कि अगर आप पूरा दिन शांत रहें, किसी पर गुस्सा नहीं किया, सबसे प्यार से बात की तो मतलब आपने सही तरीके से धर्म का पालन किया। अगर धर्म की स्थापना हो जाती तो द्वापर युग के बाद कलियुग नहीं आता। आज का युग सिर्फ कलियुग नहीं घोर कलियुग है। कलियुग के बाद जो युग आना है वो है सतयुग। मतलब हर आत्मा अधर्म से धर्म की तरफ जाएगी।

श्रीकृष्ण के सतयुग में आने से पहले परमात्मा को धरती पर आकर सतयुग की स्थापना करनी होगी। निराकार परमात्मा शिव कलियुग के अंत में आकर हमें अपनी कमजोरियों से लड़ना सिखा रहे हैं। इस जन्माष्टमी पर हमें उस ज्ञान को लेना है। श्रीकृष्ण का जब हम आह्वान करते हैं तो हमें सिर्फ यही याद रखना है कि उनका सिर्फ बाहर से नहीं बल्कि अंदर से भी आह्वान करना है। अपनी हर सोच, हर कर्म में श्रीकृष्ण वाले दैवीय गुणों को शामिल करना है। श्रीकृष्ण का जन्म रात को बारह बजे इसलिए दिखाते हैं क्योंकि रात को बारह बजे का मतलब है घोर कलियुग। मतलब अब घोर कलियुग में धर्म की स्थापना हो रही है।


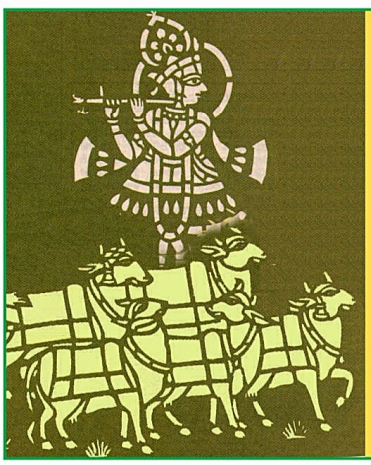

जन्माष्टमी आनन्दमय हो

बजरंग लाल बाहेती

ट्रस्टी एवं अध्यक्ष
श्री गिरिराज धरण माहेश्वरी सेवा ट्रस्ट, गोवर्धन (उ.प्र.)
चेयरमैन
''अभिनंदन'' श्री माहेश्वरी समाज जनोपयोगी भवन, जयपुर

दूरभाष : 0141-2570415/75, मो: 098290-79200 । ई-मेल : bajrang@baheti.in
निवास : सी-1/401-402, कमल अपार्टमेंट-1, बनीपार्क, जयपुर-06

विघ्नहर्ता विनायक गणेशजी की कीर्ति कथा अनंत है। वे आदि, अनादि, सर्वव्यापी और सर्वज्ञ होकर मंगलमूर्ति मंगलकर्ता भी हैं। गणेश चतुर्थी के उपलक्ष्य में गणेशजी के विराट व्यक्तित्व और कृतित्व को समेटता यह श्री गणेश-पंचामृत!

# नमो व्रातपतये। नमो गणपतये। नमः प्रमथपतये। श्री वरदमूर्तये नमो नमः॥

## मानस का 100वां दोहा

श्री रामचरितमानस के 100वें दोहे में गणेशजी के बारे में महत्वपूर्ण सूत्र उपलब्ध है। दोहा है–

**मुनि अनुसासन गनपतिहि पूजेउ संभु भवानि।**
**कोउ सुनि संसय करै जनि सुर अनादि जिय जानि।।**

***अर्थात....*** मुनियों की आज्ञा से शिव-पार्वती ने विवाह पूर्व गणेशजी का पूजन किया। देवता अनादि हैं अतः कोई इस पर संशय न करे कि गणेशजी तो शिव के पुत्र हैं, तब वे उनके विवाह में कैसे उपस्थित हैं, कि पूजे गए? इसी में गणेश का प्रतीक निहित है। इसलिए कि गण का अर्थ समूह है। देवमण्डल में अष्ट वसु, एकादश रुद्र, 49 मरुत गण देवता हैं जो समूह में पूजे जाते हैं।

इस अर्थ में गणेश समूह या समूहों के प्रमुख व्यक्ति का पद है। प्राचीन गणराज्यों में इसीलिए गणपति होते थे। शिव के साथ गणेश एक पृथक देवता भी हैं लेकिन व्यापक अर्थ में वे अनादि होकर हर काल और समाज में सर्वदा मौजूद हैं।

शिव के विवाह के समय निश्चित ही तत्कालीन समाज में जो 'गणेश' रहे होंगे, स्वभावतः कार्य की सफलता के लिए उनकी पूजा की गई।

## पूरा परिवार ही 'स्टार'

**गणेशजी क्यों मंगलमूर्ति हैं, इसका सार उनके परिवार में है।**

महादेव उनके पिता हैं। जगतजननी पार्वती जैसी महिमामय नारी उनकी मां हैं। बड़े भाई कार्तिकेय देवसेना के प्रमुख हैं। ऐश्वर्य की प्रतीक रिद्धि और सामर्थ्य की प्रतीक सिद्धि उनकी पत्नियाँ हैं। उनके दो पुत्रों में लाभ और क्षेम है। एक अप्राप्य की प्राप्ति कराता है और दूसरा प्राप्य की रक्षा करता है। आशय है परिवार का प्रत्येक सदस्य लोक कल्याण में संलग्न है और प्रतीक यह कि जिस परिवार में सभी सदस्य अपने-अपने कार्य में रत होकर सबका मङ्गल करने के लिए संकल्पित रहते हों, उसमें उसी प्रकार सुख, शांति और आनन्द बरसता है, जिस प्रकार गणेशजी के परिवार में! **आनन्द के जन्मदाता श्रद्धा व विश्वास श्रीरामचरितमानस में 'भवानीशंकरों वन्दे श्रद्धाविश्वासरूपिणौ' कहकर शिव-पार्वती की वंदना की गई है। अर्थात्....**

**मा**ता श्रद्धा और पिता विश्वास के प्रतीक हैं। हर काम की सफलता के लिए श्रद्धा और विश्वास दोनों आवश्यक है। जहाँ ये दोनों हों, वहीं आनन्द सम्भव है। गणेशजी इसीलिए मंगलमूर्ति और आनन्द के दाता हैं क्योंकि उनका जन्म श्रद्धा और विश्वास से हुआ है। जिसके मूल में ये दोनों हों वह मोद यानी आनन्द को पसंद करने वाला भी होगा और आनन्द का प्रदाता भी होगा। ठीक उसी भांति जैसे गणेशजी हैं।

## जीवन में सार और विस्तार

**गणेश के जीवन से जुड़ी बहुश्रुत कथा है।**

कथा अनुसार जब पृथ्वी की परिक्रमा को लेकर बड़े भाई कार्तिकेय से प्रतिस्पर्धा हुई तब विद्यावान, गुणी, अति चातुर गणेशजी ने माता-पिता की परिक्रमा करके जय प्राप्त की और शिवजी के वरदान से प्रथमपूज्य बने। इसका प्रतीक है कि जीवन को विस्तार में जानने के बजाय उसके सार को जानना अधिक महत्वपूर्ण है। हम सब सदा कार्तिकेय की तरह परिक्रमा के लिए निकल पड़ते हैं। यानी विस्तार में जानने के चक्कर में पिछड़ जाते हैं। मगर जो गणेशजी की तरह भावुक और बुद्धिमान होता है वह सार पर टिकता है। जो माता-पिता को ही महत्व देता है वही हर जगह सबसे पहले पूजा जाता है।

## जन गण मन गणनायक जय हो

**गणेशजी जन-जन के मन में रहते हैं और गण या गणों के नायक हैं।**

इस अर्थ में वे समूह, सामूहिकता और समूह शक्ति के प्रतीक हैं। वे समर्थ हैं क्योंकि उनके पास समूह या समूहों के जन-मन की मिली-जुली ताकत है। जो सिखाती है कि जो समाज समूहशक्ति में विश्वास करता है, जो अपने नायक में निष्ठा रखता है, वह हर प्रकार के विघ्नों का नाश करके सर्वत्र मङ्गल की स्थापना में समर्थ हो जाता है। स्वाभाविक है गण शक्ति से परिपूर्ण नायक विशिष्ट अर्थात् विनायक होता है।

***शीर्षक का अर्थ:*** *व्रात यानी देव समूह के नायक को नमस्कार। गणपति को नमस्कार। शिवजी के गणों (प्रमथ) के अधिनायक को नमस्कार। श्रीवरदमूर्ति को नमस्कार-नमस्कार।*

# विनायक के व्यक्तित्व की गाथा

## एक दन्त

हाथी का मस्तक और एक दांत, इसीलिए यह नाम प्रचलित है। शुरुआत में दो दांतों के गणेश का एक दांत देवोतक राक्षस का वध करते समय टूट गया। मेधा और श्रद्धा इन दो गुणों का प्रतीक मतलब दो दांत, परन्तु मेधा हमेशा अपूर्ण होने की वजह से टूटे हुए दांत की निदर्शक है। वहीं श्रद्धा अपने पास हमेशा होने की वजह से पूरे दांत के रूप में दिखती है। दूसरों की विचारधारानुसार दो दांत द्वैतभाव दर्शाते हैं तो एक दांत अद्वैतभाव दर्शाता है। मतलब एक दंत एक ही ध्येय दिशा की ओर व मानसिकता से कार्य करता है। जिसकी आवश्यकता हर सफलता के लिए होती है।

## क्षिप्रा

गणेश के बाकी नामों से यह कुछ अलग है, वह कोई शारीरिक अवयव या कोई हथियार या शस्त्र अथवा मानवी शरीर यष्ठी से एकरूप नही है। परमेश्वर और भक्त इनको जोड़ने वाले भक्तिरूप में यह राज छुपा है। निःस्वार्थ सेवा भाव से कोई भी देवता प्रसन्न होता है। परमेश्वर को भक्त की निःस्वार्थ सेवावृत्ति की आश रहती है। मात्र यह सेवा वरपांगी नहीं होनी चाहिए। वह हृदय के अन्तर्भाव से प्रामाणिक व्यक्त होनी चाहिए। अति विनम्र व सच्ची भावना से कोई स्रोत, मंत्र या स्तुति करने वाली रचना से वह की गई है, तो गणेश अपने भक्तों के ऊपर असीम कृपा दृष्टि की वर्षा करते हैं।

## लंबोदर

अपने विशाल उदर की वजह से यह नाम बहुत ही विलोभनिय है। यह केवल बाह्यरूप नही इसमें अनेक प्रतीक छुपे हुए हैं।

भली बुरी बातें अपने अंदर समाने वाले व वैसे समाके न लेने वाले सरासर विचार न करके बोलकर वातावरण दुषित करने वाले ऐसे दो प्रकार के लोग हम देखते हैं। लंबोदर के रूप में गणेश भली बुरी बाते केवल अपने उदर में न समाते हुए उसे पचाते भी हैं। 'गणेश संभव' ग्रंथानुसार गणेश ने शंकर के डमरू से वेद विद्या, पार्वती के नुपूर से संगीत एवं महादेव के तांडव से नृत्य कला अवगत की। लंबोदर रूप से आज गणेश अपने दुर्गुण दूर रखकर अच्छे विचार करना सिखाते हैं।

## हेरंब

माँ का परमप्रिय पुत्र इस अर्थ से हेरंब यह नाम प्रचलित है। माता और पुत्र का रिश्ता स्वाभाविक व नैसर्गिक है किन्तु गणेश व माता पार्वती का रिश्ता खास है। पार्वती का मतलब अम्बा और अम्बा का प्रिय पुत्र हेरंब। बचपन में गणेश जी को दैत्यों से धोखा था इसका अंदाजा अम्बा को था। इसलिए बाल गणेश अम्बा को ज्यादा प्रिय थे। परन्तु पराक्रमी बाल गणेश ने अनेक बार खुद को सुरक्षित रखते हुए अम्बामाते का भी दैत्यों से रक्षण किया। हे व रंब इन दो शब्दों से हेरंब समझा जाता है। हे मतलब कमतरता और रंब मतलब संरक्षण देना। इसीलिए हेरंब रूप में गणेश अपनो भक्तों में कमतरता भरते हैं और उनका रक्षण करते हैं।

## गजानन

इस नाम का संदर्भ गणेश की जन्मकथा से है। पार्वती ने हाथी का मुख गणेश के शरीर पर लगाया जिसकी वजह से हम उन्हें गजानन नाम से जानते हैं। गज यह शब्द ग और ज शब्दों से बना है। ग का मतलब मूल तत्व में विलीन होना और ज का मतलब जन्म मृत्यु का चक्र। गजानन यह रूप मनुष्य और प्राणी इनका सम्मिलन है। हाथी, यह अति विशाल महाकाय और शान्त स्वभाव वाला दीर्घायुषी प्राणी है। गजानन हमको हाथी की तरह शांत और दीर्घायुषी बनना सिखाता है। गजानन चेहरे द्वारा हमको अनेक संदेश देता है। जिसका अन्वयार्थ समझ में आया तो अपना जीवन सरल और सुखकर होगा।

## शूर्प कर्ण

विशाल कर्णो के लिए यह नाम प्रचलित है। आमतौर पर शूर्प का मतलब होता है फसल में लगी हुई घास काटने का हथियार। श्री गणेश भी अपने शूर्प रूप से भक्तों की बुद्धि पर लगी अज्ञान की घास दूर करते हैं। और मोह-माया का प्रभाव भी दूर करते हैं। प्रतीकात्मक विचार किया जाये तो गणेश विशाल और सुश्रुत कानों से योग्य ज्ञान ग्रहण करते हैं। हल्के कानों के लोग हमेशा कही हुई बातों पर विश्वास करते हैं और योग्य तरीके से सुनने वाले लोग केवल उपयुक्त बातों को ग्रहण करते हैं। शूर्पकर्ण नाम के गणेश बराबर वही सुनकर ग्रहण करते हैं। इसीलिए बहुश्रुत तो हैं ही लेकिन ज्ञान के देवता भी हैं।

# भाई-बहन की प्रीत का पर्व
# रक्षाबंधन

**रक्षाबंधन भाई-बहन का त्योहार माना जाता है, परंतु वास्तव में यह रक्षा-सूत्र बंधन का मुहूर्त-सम्मत पर्व है। इस दिन बांधा गया रक्षा सूत्र वर्ष भर जलजन्य रोगों से रक्षा करने वाला सिद्ध होगा।**

**रक्षाबंधन** भाई-बहन के प्रेम का प्रतीक पर्व ही नहीं है, बल्कि इसके साथ मानव-समुदाय की सर्वविध रक्षा और सामुदायिक संगठन के लिए आवश्यक स्नेह की सुरक्षा का दायित्वबोध भी जुड़ा हुआ है। यह इसका पुराना और सर्वाधिक स्वीकृत रूप है। राखी या रक्षाबंधन पर्व में लोकहित की कामना का भाव निहित है, जो इसके नाम से ही स्पष्ट होता है। मदनरत्न एवं भविष्योत्तरपुराण में इस दायित्व बोध के लिए श्रावण शुक्ल पूर्णिमा का दिवस निर्धारित किया गया है।

प्राय: रक्षा बंधन भाई-बहन का त्योहार माना जाता है, परंतु वास्तव में यह रक्षा-सूत्र बंधन का मुहूर्तसम्मत पर्व है।

इस दिन विप्रगण अपने शिष्यों, यजमानों आदि के हाथों में रक्षा सूत्र बांधते हैं। हमारे यहां यह परंपरा आज भी अस्तित्व में है। इस सूत्र-बंधन के अवसर पर यह मंत्र उच्चारित करने का निर्देश है :

*येन बद्धो बली राजा दानवेन्द्रो महाबल:!*
*तने त्वामनुबन्धामि रक्षे मा चल मा चल॥*

इस मंत्र के साथ रक्षा सूत्र बांधने से यजमान पुत्र, पौत्रादि सहित वर्षभर सुखी रहते हैं। उन पर आधिदैविक, आधिभौतिक, आध्यात्मिक व्याधियों का साया नहीं पड़ता। हमारी ऋचाओं के मूल में भी यही सामूहिक हितकारी भाव मिलता है। जैसा कि कहा भी गया है :

*य: श्रावणे विमलमासि विधान विज्ञो, रक्षा विधानमिदमाचरते मनुष्य:।*
*आस्ते सुखेन परमेण स वर्षमेकं, पुत्रपौत्रसहित: ससुहृज्जन: स्यात्॥*

## रक्षाबंधन कथा

एक बार देवताओं और दानवों में बारह वर्ष तक युद्ध चलता रहा। देवताओं को विजय नहीं मिल पा रही थी। इस पर देवगुरु बृहस्पति ने सम्मति दी कि युद्ध रोक देना चाहिए। यह सुनकर इंद्राणी ने कहा कि मैं कल देवराज इंद्र को रक्षा सूत्र बांधूंगी, उसके प्रभाव से आप सब विजय प्राप्त करेंगे। दूसरे दिन, श्रावण शुक्ल पूर्णिमा को वैसा ही किया गया और इंद्र के साथ संपूर्ण देवताओं ने दानवों पर विजय प्राप्त की। तभी से इस दिन रक्षा सूत्र बांधने की परंपरा चल पड़ी। रक्षा की कामना किसी भी आत्मीय जन के लिए की जा सकती है। इसलिए रक्षा सूत्र बहनें भाई को, पत्नी पति को एवं ब्राह्मण यजमानों को बांधते हैं।

## प्रथम रक्षा सूत्र श्रवण को

इस पर्व के साथ एक कथा और जुड़ी है, जो व्रतोत्सव निर्णय में आई है। श्रावण शुक्ल पूर्णिमा को श्रवण कुमार अपने नेत्रहीन माता-पिता के लिए जल लेने को गए। उसी समय राजा दशरथ हिरण के शिकार की ताक में थे। तभी उन्होंने श्रवण कुमार के जल से घड़ा भरने की आवाज को पशु का शब्द समझकर शब्द बाण छोड़ा, जिससे श्रवण की मृत्यु हो गई। इससे श्रवण के माता-पिता बहुत दुखी हुए। दशरथ ने अज्ञानवश हुए अपराध की क्षमा याचना स्वरूप इस दिन श्रवण कुमार की पूजा प्रारंभ करवाई। अत: आज भी इस दिन घर के मुख्य दरवाजे की दोनों दीवारों पर हिरमिच से श्रवण के चित्र बनाकर पूजे जाते हैं। प्रथम रक्षा सूत्र भी उन्हें ही अर्पित किया जाता है। आश्विन पूर्णिमा से पूर्व श्रवण के चित्र को उतारकर जल में विसर्जित कर दिया जाता है। मान्यता है कि ऐसा करने पर पितृ या देवार्पित किए जाने वाले नैवेद्य का फल श्रवण को मिलता है।

## श्रावणीकर्म और ऋषितर्पण

इस दिन यज्ञोपवीत धारण करने वाले नदी या सरोवर आदि में मिट्टी, गोमय आदि दस विधान से स्नान करते हैं और पवित्र होकर पितृतर्पण और वैदिक ऋषियों का पूजन करते हैं। हेमाद्रि द्वारा प्रवर्तित होने से इस दिन के विधान को हेमाद्रि संकल्प भी कहा जाता है। श्रावणी वेदोक्त कर्म के बाद अपने यज्ञोपवीत को बदलते हैं।

## ज्योतिषीय दृष्टि से रक्षाबंधन

यज्ञ-हवन, शादी-विवाह, गृहप्रवेश, ग्रहशांति आदि प्रत्येक शुभ कार्य से पहले पंडित यजमान को मौलि (लाल धागा) बांधते हैं। यह मौलि-बंधन भी अनिष्ट से रक्षा करता है। इस दिन बांधा गया रक्षा सूत्र वर्ष भर जलजन्य रोगों से रक्षा करने वाला सिद्ध होगा। इस सूत्र पर अभ्रक के पत्र को भी लगाकर बांधा जाए तो अधिक प्रभावी होगा। कुछ समय पहले तक रक्षा सूत्र पर अभ्रक को ही गूंथा जाता था।

## उत्सव का विधान

इस दिन स्नान, ध्यान के बाद भद्रा काल को छोड़कर उत्तम चौघड़िये में सर्वप्रथम श्रवण कुमार की पूजा करनी चाहिए। पहले देव प्रतिमा और फिर बहन द्वारा भाइयों को राखी बांधनी चाहिए। भाइयों को राखी बांधते समय पूर्वमुखी बैठना चाहिए। बहन द्वारा भाई को तिलक लगाकर नारियल भेंट करना चाहिए। इसके बाद बहन द्वारा भाई को राखी बांधकर भाई का मुंह मीठा कराना चाहिए। भाई द्वारा भी बहन को यथा शक्ति भेंट देनी चाहिए।

## श्रावणी पूर्णिमा को वृष्टिफल

महर्षि नारद कृत 'मयूरचित्रम्' ग्रंथ के अनुसार यदि इस दिन वर्षा होती है तो सुभिक्ष जानना चाहिए। साथ ही पृथ्वी पर भरपूर अन्न की पैदावार होती है : श्रावणेर्क्षे पूर्णिमायां यदि मेघ: प्रवर्तित:। तस्मिन्काले सुमिक्षं स्याद्धरित्रीचाभ संकुला॥

# श्री राधाष्टमी माहात्म्य

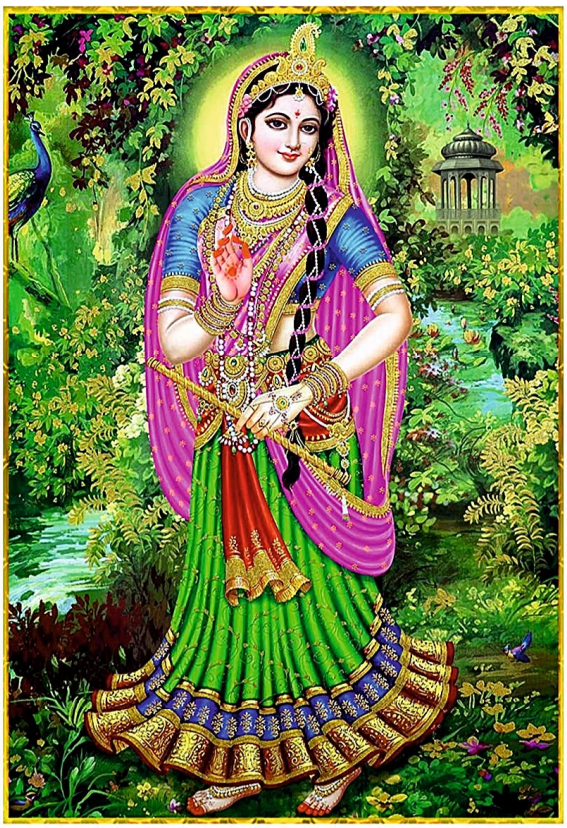

भारत में पौराणिक और धार्मिक व्रत, त्यौहार एवं कथा-साहित्य बड़ा समृद्धशाली है, जिसमें अद्‌भुत गुप्त संकेत समाहित है।

हमारा प्राचीन साहित्य बड़ा उपयोगी, कल्याणकारी व नैतिकता से भरपूर है। अगर इनको ध्यान से पढ़ा जाये या सुना जाये तो यह नीति, न्याय, प्रेम ओर चरित्र की दृढ़ता के पुण्य भाव मौजूद हैं और मनुष्य के अन्त:करण में आसानी से समा जाती हैं।

धार्मिक त्यौहार ओर कथाओं का वैज्ञानिक महत्व भी है। यह कल्याणकारी और समाज के लिये उपयोगी हैं। साथ ही इनसे मनुष्य में नैतिक गुण जागृत होते हैं।

## राधाष्टमी

श्री राधा जन्म अष्टमी की कथा प्राचीन और महत्वपूर्ण है। पद्मपुराण-ब्रह्मखण्ड के सातवें अध्याय में श्री नारद और ब्रह्माजी के सवांद रूप में एक इतिहास मिलता है। जिसमें नारद जी अपने पिता ब्रह्मा जी से राधा जन्माष्टमी के महान माहात्म्य को सुनना चाहते है।

श्री राधाजी का प्राकट्य भाद्रपद-शुक्ल पक्ष की अष्टमी को दोपहर के समय श्री वृष भानुपुरी (बरसाना) में राजा-वृषभानु तथा देवी कीर्ति के यहां हुआ। कुछ महासन्तों का भाव है इनका प्राकट्य प्रात:काल हुआ और कुछ मध्याह्न का उल्लेख करते हैं। कई महापुरुष श्री राधा का जन्म उनके ननिहाल रावल ग्राम में भी मानते है।

एक बार नारद जी ने शिवजी से पूछा कि राधा जी, वेद-कन्या, देवकन्या, या मुनिकन्या एवं लक्ष्मी जी स्वयं हैं। ब्रह्मवैवर्त पुराण में वर्णन है कि राधा जी गोलोक और गोकुल में श्री राधिका रूप में विराजती हैं और वैकुण्ठ में महालक्ष्मी व सरस्वती के रूप में, क्षीर सागर में भगवान विष्णु की प्रिया लक्ष्मी रूप में रहती है। वैसे राधा जी परिपूर्ण, परमात्मा, आनन्दकन्द आनन्दमयी आल्हादिनी शक्ति हैं, जो श्री कृष्ण के ही शरीर से तेज रूप में निकल कर गोपी रूप में अवतरित हुई हैं।

कई महापुरुषों का मानना यह भी है कि राधाजी यज्ञ रूप से प्रकट हुई हैं। कल्प का भेद हो सकता है।

गर्ग संहिता में वर्णन आता है कि श्री कृष्ण का अवतार केवल कंस का संहार ही नहीं बल्कि प्रेम की साधना का महत्व बताता है। इसलिये भगवान श्री कृष्ण ने अपनी महाशक्ति को प्रेरणा दी। अत: वो ही शक्ति वृषभानू की पत्नी के हृदय में प्रवेश कर श्री राधा के रूप में अवतरित हुई। भगवान श्री राधा के माध्यम से भक्ति का प्रचार करना चाहते थे इसलिये आज भी वृष में राधे-राधे बोला जाता है।

महाभागवत के आधार पर तो एक बार शिव ने पार्वती से कहा मेरी इच्छा है। तुम पुरुष (मेरे पति) बनो और मैं पत्नी (मैं स्त्री रूप) बनूं, तो शिव की इच्छा के लिए पार्वती की भद्रकाली नाम की मूर्ति श्री कृष्ण रूप से पृथ्वी पर अवतरित हुई और शिव परम प्रेममयी भानु नन्दिनी श्री राधा रूप में प्रकट हुये। मेरी आठ मूर्तियां आठ रमणियों के रूप में रुकमणी, सत्यमामा आदि आठ पटरानियाँ होंगी और पार्वती की दो सखियाँ जया और विजया दोनों पुरुष रूप में श्री दामा और सुदामा होंगी ऐसा निश्चय कर शिव राधा रूप ओर पार्वती कृष्ण रूप में प्रकट हुये हैं।

यह एक कल्प में राधा कृष्ण का बाहरी अवतार रहस्य है जिसे हर कोई नहीं जान सकता है।

ऐसा ग्रन्थ में पढ़ा है कि अगर श्री राधा की पूजा नहीं की तो कृष्ण की पूजा सार्थक नहीं होगी श्री राधा श्री कृष्ण की अधिष्ठात्री है इसलिये भी राधा अष्टमी का महत्व है। इस दिन व्रत करके श्री राधा का पूजन करके, सारा दिन राधा-राधा का नाम जप करना चाहिये।

कई ग्रन्थ राधा जी को कृष्ण बल्लभा भी कहते हैं। राधा अष्टमी पर पूजा कर महाप्रसाद का वितरण भी बताया है। आप चाहें तो (भक्त) इस दिन सुहागन स्त्री को साड़ी, बिन्दी, मेहन्दी, चूडा, पायल और बिछिया भी भेंट रूप में दे सकते हैं।

श्री राधा अष्टमी पर (पवित्र अवस्था में) निम्न मंत्रों का जाप भी करना चाहिए।

1. ॐ ह्रीं राधिकायै नम:
2. ॐ श्री राधायै स्वाहा!
3. ॐ ह्रीं श्री राधिकायै नम:।
4. ॐ ह्रीं श्री राधायै नम:।

इस लेख को प्रभु कृपा, गुरु कृपा से लिखा है। धर्म चर्चा या विवाद का विषय नहीं है। पुराणों में कल्याण, साधु-सन्तों और विद्वानों के प्रवचनों से और पुराणों को पढ़कर, समझकर लिखा गया है।

श्री राधा तत्व को जानना, समझना एक साधारण मानव की तो क्या किसी ज्ञानी-विज्ञानी तथा योगी के लिखे दुष्कर है। श्री राधा ब्रज रस के प्राण श्री ब्रजराजकुमार की आत्मा, आराधिका उपासिका हैं।

राधा बिन कृष्ण आधा
मैं राधा हूँ और राधा मैं हूँ

राधे! राधे!!
जयश्री राधे

■ बल्लभी राज राजेश्वरी

## राधारानी का भजन

*किशोरी राधिका प्यारी, तू ही सरदार मेरी है,*
*नहीं है और से मतलब, फकत एक आस तेरी है।*
*सलोनी स्वामिनी श्यामा, मुझे बिरहा ने घेरी है।*
*दरश दी जै कृपा की जै, करी काहे की देरी है।।*
*टहल वखशे महल निज की विनय कर जोर टेरी है,*
*सरस यह माधुरी दासी, तेरे चरणों की चेरी है।*
*किशोरी राधिका प्यारी, तू ही सरदार मेरी है,*
*नहीं है और से मतलब, फकत एक आस तेरी है।*

# श्री माहेश्वरी डायग्नोस्टिक सेन्टर

(श्री माहेश्वरी समाज, जयपुर द्वारा संचालित)

87, सरतीनगर, जनपथ, श्यामनगर, जयपुर • फोन : 0141 492 4112, 6376409567

समय : प्रातः 8 बजे से सायं 6 बजे तक (सोमवार से शनिवार) • प्रातः 8 बजे से दोपहर 2 बजे तक (रविवार)

**Dr. VISHWAS PRABODH**
MD Radio Diagnosis
4:30 pm to 7:00 pm

## ULTRA SONOGRAPHY

- Whole abdomen
- Obstetrics & gynaecology including Anomaly scan, color Doppler, fetal echocardiography etc.
- Limb Doppler
- Small parts (thyroid, testes, breast etc.)

**Dr. VIJAYETA SULTANIA**
Consultant Radiologist
10:00 am to 1:00 pm

## कलेक्शन सेन्टर पर ECG की सुविधा भी उपलब्ध है।

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| Blood Sugar 30/- | Cholesterol 30/- | Creatinine 40/- | SGOT 40/- | SGPT 40/- |
| Urine R/E 40/- | Uric Acid 50/- | Calcium 50/- | Sodium 50/- | CBC 100/- |
| Electrolytes 120/- | PSA 180/- | Hb A1C 200/- | Liver Function 200/- | Thyroid Profile 200/- |
| Lipid Profile 250/- | RFT 400/- | Vitamin B-12 400/- | Dengue Test 450/- | Vitamin D-3 750/- |

जाँचें बहुत किफायती दरों पर की जाती हैं एवं रिपोर्ट ई–मेल पर भी भेजी जाती हैं।
नोट : घर से सैम्पल कलेक्शन की सुविधा उचित दरों पर उपलब्ध

# श्री माहेश्वरी डायग्नोस्टिक सेन्टर

(श्री माहेश्वरी समाज, जयपुर द्वारा संचालित)

पी-10ए, सेक्टर 2, उत्सव भवन के पास, विद्याधर नगर, जयपुर-302039 • फोन : 0141-2230511, 6376409567

आधुनिक मशीनों एवं उपकरणों द्वारा जाँचें

समय : प्रातः 8 बजे से सायं 8 बजे तक (सोमवार से शनिवार)
प्रातः 8 बजे से दोपहर 2 बजे तक (रविवार)

**सोनोग्राफी**
प्रातः 10 से दोपहर 1 बजे तक
सायं 4:30 बजे से 7:00 बजे

2D-ECHO प्रातः 8 से 9 बजे तक (रविवार को यह दोनों जाँचें नहीं होती)

SONOGRAPHY 300/- • DIGITAL X-RAY 150/- • 2D-EHCO 1000/- • ECG 60/-

# स्वतंत्रता संग्राम में माहेश्वरी समाज का योगदान

भारत को स्वाधीन हुए 73 वर्ष हो गये। इन वर्षों में भारत ने सभी क्षेत्रों में प्रगति की है। आज भारत एक सुसंगठित तथा प्रगतिशील प्रजातांत्रिक राष्ट्र के रूप में विश्व के समक्ष खड़ा है। भारतीय स्वाधीनता आंदोलन के इतिहास पर जब हम दृष्टिपात करते हैं, तो विदित होता है कि देश को स्वतंत्र कराने में किसी एक राजनीतिक दल, सम्प्रदाय या वर्ग विशेष का ही नहीं, अपितु समस्त भारतीयों का योगदान रहा। भारत की सभी जातियों, सम्प्रदायों और वर्गों ने देश को स्वतंत्र कराने में उत्सर्ग किया है। माहेश्वरी समाज यद्यपि संख्या की दृष्टि से अति अल्प समुदाय है और यह किसी प्रदेश विशेष तक सीमित न होकर सम्पूर्ण भारतवर्ष में फैला हुआ है, इसके साथ ही यह व्यापार-उद्योग प्रधान समाज है और यह समझा जाता है कि व्यवसायी समाज कंटकाकीर्ण मार्ग पर बहुत सोच-समझकर कदम रखता है, लेकिन माहेश्वरी समाज ने स्वाधीनता आंदोलन में विषम परिस्थितियों के बावजूद सक्रिय भाग लिया। माहेश्वरी बन्धुओं ने धन से तो स्वाधीनता आन्दोलन की सहायता की ही, साथ ही बड़ी संख्या में माहेश्वरी बन्धु और बहनें आजादी की लड़ाई में जेल गए, अनेक प्रकार की यातनाएं और कष्ट झेले। समाज के वीरबंधु श्रीकृष्णजी सारडा को तो मार्शल लॉ के समय फांसी की सजा दी गई और भी कई माहेश्वरी बन्धुओं ने स्वाधीनता संग्राम में अभूतपूर्व त्याग किया। इस प्रकार भारतीय स्वाधीनता आंदोलन के पौधे को सींचने में माहेश्वरी समाज ने उल्लेखनीय योगदान दिया।

महापुरुष जिस मार्ग पर चलते हैं, जनता भी उसी मार्ग का अनुसरण करती है। माहेश्वरी समाज के नेताओं की दृष्टि सदा ही राष्ट्रीयता और प्रगतिशीलता की ओर उन्मुख रही और उन्होंने समाज को समय की आवश्यकता के अनुरूप अपना जीवन पथ निर्माण करने की प्रेरणा दी है। 19वीं शताब्दी के मध्य तथा अंतिम चरण में राष्ट्रीय उन्नयन के लिये भारत में जो विविध जन आन्दोलनों की धाराएं प्रवाहित हुई, उनमें एक धारा माहेश्वरी जनजागृति की भी थी। महाराष्ट्र, बंगाल और उत्तर भारत में प्रार्थना समाज, ब्रह्म समाज और आर्य समाज के रूप में जनजागृति के बड़े आन्दोलन विकसित हुए। इनमें धार्मिक दुर्बलताओं, अंधविश्वासों और सामाजिक कुरीतियों के विरुद्ध जनमत जागृत करके एक सजग और प्रगतिशील समाज का निर्माण करने का प्रयास किया गया।

आजादी के पूर्व एक ओर सामाजिक क्रांति का शंखनाद हुआ और दूसरी ओर राष्ट्रीय महासभा काँग्रेस के रूप में एक राजनीतिक संगठन बना जिसने देश को विदेशी शासन की गुलामी से मुक्त कराने के लिये त्याग और बलिदान करने की भावना उत्पन्न की। इस तरह सामाजिक और राजनीतिक दोनों दृष्टियों से पद दलित और शोषित भारतीय जनता को ऊपर उठाने का प्रयत्न किया गया। आर्य समाज के व्यापक प्रचार से प्रभावित होकर देश में अनेक संगठन बने और संस्थाएँ स्थापित हुईं। माहेश्वरी महत सभा की सन् 1890 में अजमेर में इसी प्रेरणा के फलस्वरूप स्थापना हुई। माहेश्वरी महत सभा ने 10 वर्ष तक माहेश्वरी समाज में जीवन और जागृति का संचार कर उसे सामाजिक कुरीतियों तथा अंधविश्वासों से मुक्त कराने का प्रयास करके देश का एक प्रगतिशील घटक बनाया। माहेश्वरी महत सभा के संस्थापक रायबहादुर श्यामसुन्दरजी लोईवाल, मथुराप्रसादजी भट्टड और रायबहादुर रामविलासजी शारदा राष्ट्रीय भावनाओं से ओतप्रोत तथा महर्षि स्वामी दयानन्दजी के अनन्य भक्त थे। महर्षि दयानन्दजी का कार्यक्षेत्र यद्यपि वैदिक धर्म के प्रचार और वैदिक साहित्य के सृजन तक ही सीमित था, परन्तु वे भारत में एक क्षण के लिये भी विदेशी शासन को देखना नहीं चाहते थे। महर्षि ने देश के अनेक राजा-महाराजाओं को राजनीति की शिक्षा देकर भारत को पराधीनता के बंधनों से मुक्त कराने की प्रेरणा दी थी। उन्होंने खुले शब्दों में विदेशी शासन की आलोचना की। माहेश्वरी समाज के राष्ट्रीय यज्ञ के योगदान में राजनीतिक हस्तियों के अलावा महर्षि दयानन्द की भी प्रेरणा ने काम किया। माहेश्वरी महत सभा के करीब 19 वर्ष बाद अमरावती में माहेश्वरी महासभा का जन्म हुआ। इसके संस्थापक तपोधन श्रीकृष्णदासजी जाजू, सेठ रामनारायणजी राठी और देशभक्त सेठ दामोदरदासजी राठी थे। जाजूजी विद्यार्थी अवस्था से ही काँग्रेस के राजनीतिक आंदोलन से प्रभावित थे। आप लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक के अनुयायी थे। उन्हीं दिनों बंग-भंग आन्दोलन के कारण देश में सर्वज्ञ राजनीतिक चेतना पैदा हो गई थी। माहेश्वरी महासभा के नेता भी इससे अलिप्त नहीं रहे। सेठ दामोदरदासजी राठी क्रांतिकारी दल से संबंधित थे। उन्होंने बंग-भंग के आंदोलन के समय बहुत बड़ी सहायता योगिराज अरविन्द घोष को दी।

माहेश्वरी महासभा का कार्यक्षेत्र यद्यपि सामाजिक रहा, परन्तु उसके अधिवेशनों में बराबर देश के राजनीतिक जागरण का समर्थन किया गया और अमरावती में सम्पन्न माहेश्वरी महासभा के अधिवेशन में प्रथम प्रस्ताव पास कर स्वाधीनता आंदोलन में सक्रिय भाग लेने की समाज को प्रेरणा दी गई। जैसे-जैसे राष्ट्रीय महासभा कांग्रेस स्वाधीनता प्राप्ति के लिये उत्सर्ग करने का आह्वान करती गई, माहेश्वरी महासभा भी उनका समर्थन करती रही। महासभा की प्रेरणा के फलस्वरूप माहेश्वरी युवकों ने बड़ी संख्या में स्कूल-कॉलेज का अध्ययन छोड़ा, कई लोगों ने अपनी चमकती हुई वकालत छोड़ी और कई ने सरकारी नौकरियां छोड़कर गांधीजी के असहयोग आन्दोलन में भाग लिया। तपोधन श्रीकृष्णदासजी जाजू, गोविन्ददासजी मालपानी और विदर्भ केसरी श्री ब्रजलालजी बियाणी ने तो अपना सारा जीवन ही राष्ट्र सेवा में होम कर दिया। बाबू गोविन्ददास जी मालपानी ने महाकौशल में और श्री बियाणी जी ने विदर्भ में अनेक वर्षों तक कांग्रेस का एकछत्र नेतृत्व किया। श्रद्धेय जाजूजी ने गांधीजी की खादी, ग्रामोद्योग आदि रचनात्मक प्रवृत्तियों को मूर्तरूप दिया। उनके कारण न केवल माहेश्वरी समाज, बल्कि सारा राष्ट्र गौरवान्वित है। म.प्र. राज्य में श्री रामगोपाल जी माहेश्वरी द्वारा संचालित समाचार पत्र 'नवभारत' ने स्वाधीनता आन्दोलन में राष्ट्रीय जागृति का बहुत उल्लेखनीय

कार्य किया। इस पत्र की तलाशी हुई और उन पर विशेष नजर रखी गई। माहेश्वरी जी को नजरबन्दी कानून के अन्तर्गत गिरफ्तार कर लिया गया।

नागपुर में क्रांतिवीर मगनलाल जी बागड़ी ने अपने प्राणों की बाजी लगाकर गांधीजी के 'भारत छोड़ो' तथा 'करो या मरो' आंदोलन के समय जो कार्य किया वह स्वाधीनता आंदोलन के इतिहास में स्वर्णाक्षरों में अंकित रहेगा। श्री बागडी जी की प्रेरणा से उनके द्वारा स्थापित लाल सेना के स्वयंसेवकों ने इस आंदोलन में महत्वपूर्ण योगदान दिया तो बागड़ीजी की गिरफ्तारी के लिए 5 हजार रु का इनाम था। गिरफ्तार होने पर उनके मुकदमे के लिए विशेष अदालत बनाई गई। चार धाराओं के अन्तर्गत उन्हें सजा दी गई। इनके मुकदमे की पैरवी में स्वयं गांधीजी ने दिलचस्पी दिखाई और उन्हें मृत्युदण्ड से मुक्त कराने का पूर्ण प्रयत्न किया।

माहेश्वरी समाज के सैकड़ों धनिकों ने स्वाधीनता आन्दोलन के लिए आर्थिक मदद दी और जो लोग जेल गए उनके परिवारों की सहायता की। देशी राज्यों में उत्तरदायी शासन की स्थापना करने के लिये माहेश्वरी कार्यकर्ताओं का उल्लेखनीय योगदान रहा। निजाम स्टेट में हैदराबाद स्टेट कांग्रेस के संस्थापकों में रामकिशन जी धूत का नाम विशेष उल्लेखनीय है, आप स्टेट कांग्रेस के प्रथम प्रधानमंत्री बनाये गये और आपके घर से ही स्टेट कांग्रेस का सत्याग्रह आरम्भ हुआ। दामोदर दास जी मूंधड़ा और गुलाबचंद जी नागौरी को उनकी राजनीतिक हलचलों के कारण ही निजाम रियासत से निर्वासित किया गया।

रघुनाथसिंह जी मोहता ने जैसलमेर में जनजागरण में विशेष योगदान किया। कई माहेश्वरी बंधु जेल की यातनाओं के कारण रुग्ण हो गए और बाद में उनकी मृत्यु हो गई। माहेश्वरी समाज की महिलाओं ने भी स्वाधीनता आन्दोलन में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। सावित्री देवी जी बियाणी, राजकुमारी देवी (सुपुत्री सेठ गोविन्ददास जी), ज्ञानकुमारी जी हेडा आदि महिलाओं का इस संबंध में उल्लेख किया जा सकता है।

इस तरह माहेश्वरी समाज का स्वाधीनता आन्दोलन में बहुत महत्वपूर्ण योगदान रहा है। फिर भी खेद है कि इस संबंध में संपूर्ण जानकारी उपलब्ध नहीं हो सकी है। माहेश्वरी समाज का यह सौभाग्य है कि उसकी प्रतिनिधि संस्था माहेश्वरी महासभा के सभी क्षेत्रों में आगे बढ़ने के लिये सदा प्रेरणा देती रही है। महासभा के मुखपत्र 'माहेश्वरी' ने भी इस संबंध में उल्लेखनीय योगदान दिया है। उसने निर्भीकता के साथ स्वाधीनता के विभिन्न आन्दोलनों का समर्थन किया और अंग्रेज सरकार की दमन नीति तथा जनता के शोषण व यातना देने की निंदा की। 'माहेश्वरी' के निर्भीक लेख का ही फल है कि 1930 में 'माहेश्वरी' से भी जमानत की मांग की गई और जमानत नहीं देने पर पत्र का प्रकाशन बंद कर देना पड़ा। इस प्रकार हमारे समाज का स्वाधीनता आन्दोलन में किसी भी समाज के मुकाबले ज्यादा सक्रिय व महत्वपूर्ण योगदान रहा है, जो अब भारतीय स्वाधीनता आन्दोलन का एक अंग बन चुका है। निश्चय ही हमारे लिए यह गौरव की बात है।

## स्वतन्त्रता सेनानियों को शत्-शत् नमन:-

- चमनलालजी माहेश्वरी, जैसलमेर
- चानणमलजी गोलकिया, जैसलमेर
- चतुर्भुजजी डांगरा, जैसलमेर
- जीवनलालजी कोठारी, जैसलमेर
- रघुनाथदासजी मोहता, जैसलमेर
- सकालूरामजी मुंधड़ा, जोधपुर
- रणछोडदासजी गट्टानी, जोधपुर
- केवलचंदजी मोदी, जोधपुर
- मोहनलालजी चांडक, जोधपुर
- पन्नालालजी राठी, बीकानेर
- गोपालदासजी दम्माणी, बीकानेर
- चेतनदासजी मूंधड़ा, बीकानेर
- पन्नालालजी राठी, बीकानेर
- रामनिवासजी ईनाणी, केकडी
- रामदयालजी झंवर, केकडी
- रामकुमारजी बांगड़, खादेड (केकडी)
- जेठमलजी चौधरी काबरा, केकड़ी
- सेठ दामोददासजी राठी, ब्यावर
- माणिकचन्दजी कोठारी, कुचामन सिटी
- कन्हैयालालजी कलयंत्री, फलौदी
- रामजीदासजी मोदाणी, नरायणा (जयपुर)
- रामप्रसादजी हुरकट, साँभर
- बद्रीनारायणजी सोढ़ानी, सीकर
- रामचंद्रजी देवपुरा, गुलाबपुरा
- छोगालालजी तोषनीवाल, चित्तौड़गढ़
- भंवरलालजी भदादा, भीलवाड़ा
- रूपलालजी सोमानी, भीलवाड़ा
- कस्तूरचंदजी तोष्णीवाल, शाहपुरा
- श्रीरामजी राठी, इस्लामपुर
- गोकुल लालजी असावा, अजमेर
- राधाकृष्णजी तोषणीवाल, अजमेर
- गुलाबचन्दजी धूत, अजमेर
- मिश्रीलालजी चितलांग्या, अजमेर
- कुंवर चांदकरणजी शारदा, अजमेर
- मूलचंदजी असावा, वकील, अजमेर
- भगवानदासजी माहेश्वरी, जैसलमेर
- गणेश नारायण जी सोमानी, जयपुर
- हरिनारायण जी तोषनीवाल, जयपुर
- श्रीमती शान्ति देवी लखोटिया, जयपुर
- चांदरतन जी मोहता, सांभर लेक
- रामनिवास जी कचोलिया
- फूलचंद जी बियाणी
- श्रीनिवास जी लाहोटी, शाहपुरा
- काशीलाल जी भदादा, भीलवाड़ा
- बंशीलाल जी सोनी, शाहपुरा
- रामस्वरूप जी गुप्त
- चुन्नीलाल जी बिड़ला, माण्डल

## हमारा ''माहेश्वरी समाज''

ये हमारा समाज है,
ये ही हम माहेश्वरियों की लाज है।
हमारी अलग पहचान है,
सब के मन में हमारे लिए मान है।
समाज की उपलब्धियाँ, बहुतों के लिए राज हैं,
पर जो जानते हैं, वो समाज के मोहताज हैं।
यहाँ उन्नति के लिए खुले है द्वार,
नहीं है अंश-भर भी भ्रष्टाचार।
यहाँ शिक्षा पर सबका अधिकार है,
एकता ही हमारा औजार है।
यहाँ हर शाम गुलजार है,
हमें बस मौके का इंतजार है।
'उत्सव' हमारी शान है,
तो 'अभिनंदन' हमारा मान है।
हमने यादों को संजोकर रखा है,
रिश्तों को प्यार से पिरोकर रखा है।
ये हमारा समाज है,
ये ही हम माहेश्वरियों की लाज है।

राशि धूत

# दी एज्यूकेशन कमेटी ऑव् दी माहेश्वरी समाज (सोसायटी), जयपुर

प्रदीप बाहेती
अध्यक्ष

नटवर लाल अजमेरा
महासचिव शिक्षा

## उत्कृष्ट बोर्ड परीक्षा परिणाम, 2020 पर हार्दिक बधाई

दी एज्यूकेशन कमेटी ऑव् दी माहेश्वरी समाज (सोसायटी), जयपुर के अन्तर्गत संचालित शिक्षण संस्थाओं में कक्षा 12 (CBSE/RBSE) एवं कक्षा 10 (CBSE) के बोर्ड परीक्षा परिणाम, 2020 संख्यात्मक व गुणात्मक दृष्टि से उल्लेखनीय रहे हैं।

माहेश्वरी पब्लिक स्कूल, जवाहर नगर, जयपुर के कक्षा 10 के शिक्षार्थी **कार्तिक लद्धा** ने 99.17 प्रतिशत अंक प्राप्त कर विद्यालय का नाम तो गौरवान्वित किया ही है वरन् अजमेर रीजन में दूसरा स्थान अर्जित कर कीर्तिमान् स्थापित किया। सम्पूर्ण शिक्षा समिति द्वारा विद्यालयों के प्राचार्यों, उप-प्राचार्यों व शिक्षक वृन्द को बधाई व हार्दिक शुभकामनाएँ।

## Class XII CBSE Result-2020

### Class XII Overall Analysis

| Division | MPS, JN | MGPS, VDN | MPS, PN | MPS, INT. | MPS, BAGRU |
|---|---|---|---|---|---|
| I Division | 273 | 332 | 232 | 185 | 51 |
| II Division | 7 | 2 | 4 | 26 | 6 |
| Compartment | – | – | – | – | 2 |
| Fail | – | – | – | – | 1 |
| Total App. | 280 | 334 | 236 | 211 | 60 |

### Result Highlights

| Range | MPS, JN | MGPS, VDN | MPS, PN | MPS, INT. | MPS, BAGRU |
|---|---|---|---|---|---|
| 90 % & ABOVE | 84 | 118 | 62 | 22 | 1 |
| 80% TO 89.99% | 92 | 133 | 77 | 56 | 11 |
| 70% TO 79.99% | 62 | 59 | 64 | 51 | 24 |
| 60% TO 69.99% | 35 | 22 | 29 | 54 | 15 |
| 50% TO 59.99% | 7 | 2 | 4 | 28 | 9 |
| Total App. | 280 | 334 | 236 | 211 | 60 |

### Highest Marks

| Subject | MPS JN | MGPS VDN | MPS PN | MPS Int. | MPS BAGRU |
|---|---|---|---|---|---|
| Accountancy | 98 (2) | 98 (2) | 98 (1) | 95 (5) | 92 (1) |
| Bio-Tech | | 97 (5) | | | |
| Biology | 98 (1) | 99 (2) | 99 (1) | 95 (2) | 96 (1) |
| Business Studies | 98 (2) | 98 (3) | 98 (1) | 97 (1) | 87 (1) |
| Chemistry | 100 (1) | 99 (1) | 98 (1) | 99 (1) | 92 (1) |
| Economics | 99 (1) | 99 (2) | 99 (3) | 97 (1) | 91 (1) |
| English | 96 (3) | 98 (2) | 99 (2) | 100 (1) | 87 (1) |
| Entrepreneurship | | | 98 (2) | | |
| Geography | | 98 (1) | 99 (3) | 97 (1) | |
| History | | 96 (1) | 99 (2) | 95 (4) | 95 (4) |
| Information Practice | 98 (1) | 99 (1) | 97 (4) | 97 (1) | |
| Mathematics | 100 (1) | 99 (1) | 99 (2) | 100 (1) | 75 (1) |
| Physical Edu. | 99 (1) | 100 (1) | 99 (2) | 100 (2) | 99 (2) |
| Physics | 95 (27) | 96 (2) | 97 (2) | 95 (3) | 91 (1) |
| Pol. Science | | | 100 (1) | 97 (1) | 96 (1) |
| Psychology | | 100 (13) | 100 (5) | 100 (1) | 92 (1) |

## Class XII RBSE Result-2020

| School | App. | I | II | III | Result | Stream |
|---|---|---|---|---|---|---|
| MHS | 218 | 159 | 41 | – | 95.4% | Science |
| MBV | 91 | 85 | 6 | – | 100% | Science |
| MHS | 153 | 89 | 48 | 6 | 95.4% | Commerce |
| MBV | 194 | 174 | 20 | – | 100% | Commerce |

## MPS, Jawahar Nagar

Rishabha Maheshwari
Class XII-Science (97.2 %)

Parantap Jaju
Class XII-Commerce (97 %)

## MGPS, Vidhadhar Nagar

Isha Rawat
Class XII-Humanities (95.80 %)

Krishna Rana/Preksha Chhajer
Nirupama Garhwal/Anushka Choudhary
Class XII-Science (96.20 %)

Gauri Sharda
Class XII-Commerce (97.40 %)

## MPS, Pratap Nagar

Rimi Kansal
Class XII-Humanities (98 %)

Urmi Jhanwar
Class XII-Commerce (96.6 %)

Ronak Lodha
Class XII-Science (97.4 %)

## MPS Int., Tilak Nagar

Sahil Mathur
Class XII-Commerce (95.6 %)

Sunidhi Ajmera
Class XII-Science (95.4%)

Priyanka Sethi
Class XII-Humanities (95.2%)

## MPS, BAGRU

Kartikay Sharma
Class XII-Commerce (83.3 %)

Meena Choudhary
Class XII-Science (92.2 %)

Yashi Bahra
Class XII-Humanities (90.4 %)

## MHS, Tilak Nagar

Yash Sharma
Class XII-Science (95.6 %)

Rohan Sain
Class XII-Commerce (91.4 %)

## MBV, Choura Rasta

Bhagyashree Sharma
Class XII-Science (93.4 %)

Alisha Agarwal
Class XII-Commerce (95.0 %)

# सभी विद्यालयों के परीक्षा परिणाम 100 प्रतिशत रहे।
# यह वर्ष गुणवत्ता एवं परिणामों की दृष्टि से श्रेष्ठतम रहा।

MPS जवाहर नगर के विद्यार्थी कार्तिक लढ्ढा ने योग्यता सूची में स्थान प्राप्त किया।

कार्तिक लढ्ढा

## Class X CBSE Result-2020

Class X Overall Analysis

| Range | MPS, JN | MGPS, VDN | MPS, PN | MPS, INT. | MPS, BAGRU |
|---|---|---|---|---|---|
| I Division | 406 | 431 | 296 | 285 | 42 |
| II Division | 12 | 14 | 27 | 22 | 2 |
| III Division | – | – | – | – | – |
| Compartment | – | – | – | – | 1 |
| Fail | – | – | – | – | – |
| Total App. | 418 | 445 | 323 | 307 | 45 |

Result Highlights

| Range | MPS, JN | MGPS, VDN | MPS, PN | MPS, INT. | MPS, BAGRU |
|---|---|---|---|---|---|
| 90% & ABOVE | 143 | 135 | 100 | 48 | 6 |
| 80% TO 89.99% | 130 | 148 | 92 | 91 | 14 |
| 70% TO 79.99% | 85 | 94 | 61 | 87 | 11 |
| 60% TO 69.99% | 48 | 54 | 43 | 66 | 11 |
| 50% TO 59.99% | 12 | 14 | 27 | 15 | 3 |
| Total App. | 418 | 445 | 323 | 307 | 45 |

Highest Marks

| Subject | MPS JN | MGPS VDN | MPS PN | MPS INT. | MPS BAGRU |
|---|---|---|---|---|---|
| English | 99 (6) | 99 (5) | 99 (2) | 99 (2) | 96 (1) |
| Sanskrit | 100 (5) | 100 (3) | 100 (3) | 100 (1) | |
| Maths | 100 (25) | 100 (31) | 100 (22) | 100 (10) | 99 (2) |
| Science | 98 (6) | 100 (1) | 98 (4) | 97 (1) | 92 (1) |
| Social Studies | 100 (16) | 100 (1) | 100 (2) | 99 (1) | 96 (1) |
| Computer Sci. | 100 (19) | 100 (13) | 100 (16) | 100 (1) | 99 (1) |
| Hindi | 97 (3) | 99 (1) | 97 (2) | 98 (1) | 97 (1) |
| French | 100 (2) | | | 100 (2) | |

### MPS, Jawahar Nagar

Kartika Laddha
Ist (99.17 %)

Salyam Jain
IInd (98.50 %)

### MGPS, Vidhadhar Nagar

Anshita Khandelwal
Ist (98.40 %)

Anushka Sharma
Khushi Mathure
Taru Gupta
IInd (98.0%)

### MPS, Pratap Nagar

Ishita Agarwal/Vansh Gupta
Ist (97.80 %)

Anushka Vijay/Priyanshu Jindal
IInd (97.40 %)

### MPS Int., Tilak Nagar

Abhay Khandelwal
Ist (98.17 %)

Medha Bhardwaj
IInd (97.17 %)

### MPS, BAGRU

Janvi Nawal
Ist (93.0%)

Jitendra Choudhary
IInd (91.4 %)

# एमपीएस संस्कृति, तुलसी मार्ग, बनीपार्क

Sanskriti Pre Primary School

कोरोना वायरस ने मानव जीवन के लगभग सभी क्षेत्रों को प्रभावित किया है।

लेकिन शिक्षा व्यवस्था में इसका प्रभाव ऑनलाइन क्लास ने कुछ हद तक कम किया है। ऑनलाइन क्लास ने बच्चों के शैक्षिक जीवन को वापस पटरी पर ला दिया है।

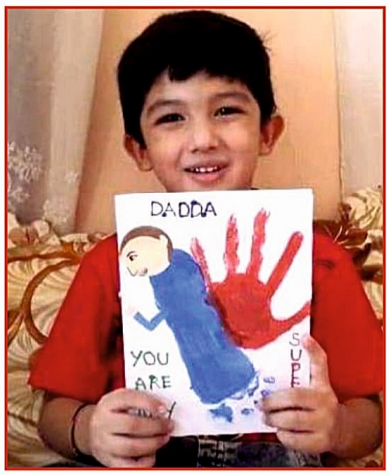


संस्कृति द्वारा चलाई जा रही ई-लर्निंग व्यवस्था से लगभग सभी अभिभावक खुश हैं। अवकाश के बाद जून से ग्रीष्म कालीन ई-लर्निंग कक्षाएं आरंभ कर दी गयी हैं। इस माह की थीम **'हू वी आर'**, कलर **'रेड'** व शेप **'सर्कल'** रखी गई।

जून माह के तृतीय रविवार को **'फादर्स डे'** मनाया गया। सभी फादर्स के लिए संस्कृति मे 'फादर्स डे' लुक-अलाइक थीम पर प्रतियोगिता रखी गयी। अभिभावकों का उत्साह अत्यंत सराहनीय रहा। सभी ने बढ़-चढ़ कर हिस्सा लिया। फेसबुक पर विडियो व अनेकानेक तरह के चित्र पोस्ट किए गए और थीम को आधार मानते हुए तीन बेस्ट फोटो व विडियो (लेवेल-वाइज़) पुरस्कृत किए गए। सभी को ऑनलाइन सर्टिफिकेट भी भेजे गए। बच्चों ने उनके पिता के साथ **'फायरलेस कुकिंग'** में भाग लिया व नींबू पानी बनाया।

दिनाक 5 जुलाई को गुरु पूर्णिमा के दिन छुट्टी होने के कारण 4 जुलाई शनिवार को स्पेशल असेम्बली का आयोजन किया गया। जिसमें बच्चों को गुरु का महत्व बताया गया। बच्चों के पहले गुरु उसकी माँ व पिता होते हैं। माता, पिता व गुरु का हमेशा सम्मान करना चाहिए। बच्चों ने अपने गुरु (शिक्षिकाओं) के लिए अनेक विडियो व आडिओ संदेश भेजे।

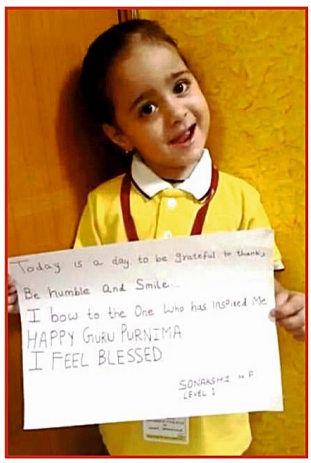


1 से 7 जुलाई तक **'वन-महोत्सव'** सप्ताह मनाया गया, जिसमे बच्चों को पेड़-पौधों से होने वाले लाभ के बारे में बताया गया तथा कम से कम एक पौधा लगाने के लिए प्रेरित किया गया। दिनांक 1 जुलाई को **'नेशनल डॉक्टर्स डे'** की बच्चों को जानकारी दी गयी तथा बच्चों ने कोरोना महामारी में डॉक्टर्स के योगदान के लिए उन्हें सम्मान दिया और साथ ही इसी सन्दर्भ में बच्चों ने डॉक्टर का रोल प्ले कर अनेक विडियो शेयर किए।

दिनांक 7 जुलाई को **'वर्ल्ड चॉकलेट डे'** भी मनाया गया। बच्चों को चॉकलेट अत्यधिक प्रिय होती है, लेकिन ज्यादा चॉकलेट खाना नुकसानदेह हो सकता है। इसी को ध्यान में रखते हुए बच्चों को ज्यादा चॉकलेट खाने के नुकसान से अवगत कराया गया। बच्चों को **'गुड टीथ व बेड टीथ'** क्राफ्ट एक्टिविटी करवाई गयी।

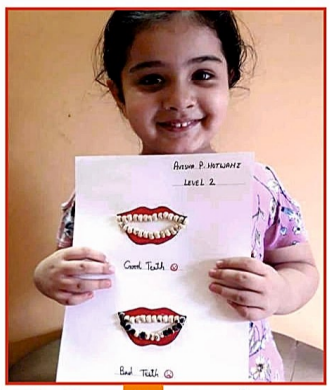


अभिभावकों के विचार-जानने के लिए जून माह के अंत में ऑनलाइन पी.टी.एम का आयोजन किया गया जिसमें अभिभावकों ने सभी शिक्षिकाओं के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने बताया कि हमारे बच्चे क्लास को लेकर बहुत उत्सुक रहते हैं व अपनी टीचर को देखकर बहुत खुश होते हैं। बच्चों को **'नॉलेज विथ फ़न'** के आधार पर ई-लर्निंग शिक्षा दी जा रही है।

एमपीएस संस्कृति, बनीपार्क की नन्हीं बालिका नव्या माहेश्वरी ने कोरोना संकट के समय प्रधानमंत्री राहत कोष में अपनी गुल्लक से 2100 रुपये की राशि जमा करवा कर अत्यंत प्रशंसनीय कार्य किया।

इस तरह जुलाई माह में अनेक गति-विधियाँ बच्चों को ज्ञानवर्धक शिक्षा के अंतर्गत करवाई गयीं।

बच्चों को लगातार वायरस से बचने के अनेक तरीके सिखाए जा रहे हैं। उन्हें अपने-आप को स्वच्छ व स्वस्थ रखने की शिक्षा भी दी जा रही है। हम बच्चों को जल्दी ही स्कूल में हंसता-खेलता देखें। यही आशा है।

# दी एज्यूकेशन कमेटी ऑव् दी माहेश्वरी समाज (सोसायटी) जयपुर

## माहेश्वरी गर्ल्स पी.जी. कॉलेज, प्रताप नगर

### माहेश्वरी कॉलेज में सत्र 2020-21 हेतु प्रवेश प्रक्रिया प्रारंभ

**माहेश्वरी कॉलेज में सत्र 2020-21 हेतु प्रवेश प्रक्रिया प्रारम्भः** माहेश्वरी कॉलेज के द्वारा स्नातक एवं स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में नवीन सत्र 2020-21 के लिए आवेदन की प्रक्रिया को Online Registration के माध्यम से प्रारम्भ कर दिया गया है। माहेश्वरी कॉलेज के द्वारा सत्र 2020-21 से नवीन विषय B.Sc. व अन्य डिप्लोमा पाठ्यक्रम भी शुरू किये जा रहे हैं। छात्राओं के उज्ज्वल भविष्य को ध्यान में रखते हुए सभी विषयों के e-Notes भी कॉलेज की website पर उपलब्ध होंगे।

दी एज्यूकेशन कमेटी ऑफ दी माहेश्वरी समाज (सोसायटी), जयपुर के **अध्यक्ष श्री प्रदीप जी बाहेती** ने कहा कि माहेश्वरी कॉलेज की विशिष्टता के कारण ही कॉलेज को देश में उच्च शिक्षा के क्षेत्र में अग्रणी संस्थाओं में माना जाता है। आपने सभी को आश्वस्त किया कि शिक्षा की गुणवत्ता में निरन्तर वृद्धि एवं छात्राओं के सर्वांगीण विकास हेतु माहेश्वरी कॉलेज निरन्तर काम करता आया है एवं करता रहेगा।

### अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस 21 जून 2020

स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ मस्तिष्क का वास होता है। योग शिक्षा एवं योग करने से आत्म अनुशासन और आत्म नियंत्रण में मदद मिलती है।

भारत में 21 जून को अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस बड़े पैमाने पर मनाया जाता है। कोरोना के चलते इस साल योगा की थीम "Yoga for Health-Yoga from Home" रखी गयी थी। इसी थीम को ध्यान में रखते हुए माहेश्वरी कॉलेज की छात्राओं के लिए योग सप्ताह का आयोजन किया गया। जिसका समापन विभिन्न प्रतियोगिताओं के साथ 21 जून योग दिवस को किया गया। छात्राओं को प्रतिदिन योग आसन, प्राणायाम, आहार व मुद्राओं आदि के बारे में सलाह देते हुए इनसे होने वाले फायदों के बारे में अवगत कराया गया।

कॉलेज के **मानद् सचिव श्री कैलाश चन्द अजमेरा जी** ने कहा कि अच्छी शिक्षा प्राप्त करने के लिए नियमित योग व प्राणायाम करना आवश्यक है। योग से शरीर व मन संतुलित रहता है। योग करने से शारीरिक स्वास्थ्य में वृद्धि होती है, मानसिक दृढ़ता आती है एवं आत्मविश्वास और आत्मबल बढता है।

**Maheshwari Girls P.G. College का अनूठा प्रयासः** बदलते समय के साथ जहाँ दुनिया इतनी परिवर्तित हो रही है। इसी बदलाव को ध्यान में रखते हुए माहेश्वरी कॉलेज के व्याख्याताओं के द्वारा महत्त्वपूर्ण विषयों पर Webinar आयोजित किए गए।

**1. Webinar on Social, Economic and Financial Impact of Covid-19 :** Covid-19 ने न केवल हमारे स्वास्थ्य को प्रभावित किया है एवं संपूर्ण राष्ट्र लॉकडाउन में था जिसका प्रभाव सामाजिक, आर्थिक ओर वित्तीय रूप में पड़ा है। इन्हीं सब बातों को ध्यान में रखते हुए छात्राओं के लिए Webinar आयोजित किया गया, जिसमें सरकार द्वारा जारी राहत पैकेज के बारे में समझाया गया।

**2. Role of IT in Education System & Various tools used for teaching :** IT की बढ़ती उपयोगिता एवं कक्षाओं का संचालन, सुचारु रूप से किस प्रकार से किया जा सकता है ताकि छात्रों को विषय संबंधित ज्ञान प्राप्त करवाया जा सके। इन्हीं पहलुओं को ध्यान में रखते हुए अनेक विद्यालयों के शिक्षकों के लिए नेशनल वेबिनार का आयोजन किया गया। जिसमें Google Form, Zoom, Webex, Google meet इत्यादि के बारे में बताया गया।

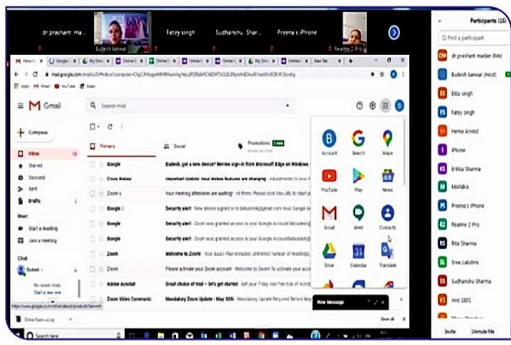

कॉलेज के **भवन सचिव श्री सुनील मालपानी** जी ने कहा कि छात्राओं के सर्वांगीण विकास के लिए कॉलेज हमेशा अनवरत् प्रयास करता रहा है और आगे भी करता रहेगा एवं इस तरह के नूतन प्रयासों से कॉलेज के नवीन प्रवेश में वृद्धि होगी।

### माहेश्वरी गर्ल्स हॉस्टल

माहेश्वरी गर्ल्स हॉस्टल में माहेश्वरी कॉलेज में अध्ययनरत छात्रायें, शहर के विभिन्न माहेश्वरी विद्यालयों में अध्ययनरत छात्रायें, अन्य विद्यालयों की छात्रायें एवं अन्य महाविद्यालयों की छात्राओं के लिए रहने की विशेष सुविधा उपलब्ध है। **हॉस्टल संयोजक श्री सांवरमलजी परवाल** ने बताया कि वर्तमान सत्र 2020-21 हेतु निर्णय लिया गया है कि हॉस्टल में एक छात्रा को एक रूम ही आवंटित किया जायेगा । हॉस्टल में छात्राओं को घर से बाहर घर जैसा वातावरण एवं सभी सुविधायें बहुत ही न्यूनतम शुल्क में उपलब्ध करवाई जा रही हैं एवं छात्राओं के लिये विभिन्न प्रकार की गतिविधियों का भी आयोजन किया जाता है। हॉस्टल का संचालन **माहेश्वरी कॉलेज** द्वारा किया जाता है।

# दी एज्यूकेशन कमेटी ऑव् दी माहेश्वरी समाज (सोसायटी) जयपुर

## माहेश्वरी पब्लिक स्कूल, जवाहर नगर

- **कक्षा एक के पाठ्यक्रम व पाठ्यचर्या का लोकार्पण।** सत्र 2020-21 में कक्षा एक में नवाचारों का प्रयोग किया गया है। इसमें अनुदेशन पर आधारित वस्तुनिष्ठ प्रश्नों सहित कार्य-प्रपत्र का समावेश किया गया है। कक्षा एक में एक ही पुस्तक में सभी विषयों को समाहित करके छोटे-छोटे बच्चों पर बस्ते का बोझ कम करने का प्रयास किया गया है। एक मास के लिए एक पुस्तक निर्धारित की गई है जिसमें कार्य-प्रपत्र संलग्न किए गए हैं। इससे बच्चों को अतिरिक्त अभ्यास-पुस्तिका की आवश्यकता नहीं होगी।
- **शिक्षकों ने एक जून से विद्यालयों में शिक्षण कार्य शुरू किया** जवाहर नगर स्थित माहेश्वरी पब्लिक स्कूल में एक जून से शिक्षकों द्वारा विधिवत् शिक्षण कार्य प्रभावी तरीके से ऑनलाइन (आभासी) प्रक्रिया द्वारा प्रारंभ किया गया। ऑनलाइन शिक्षण के दौरान छात्रों की उपस्थिति संतोषजनक रही तथा अभिभावकों का पूरा सहयोग मिल रहा है।

- **विश्व पर्यावरण दिवस-** 5 जून को विश्व पर्यावरण दिवस मनाया गया। छात्रों को ऑनलाइन पर्यावरण के विषय में बताया गया। पर्यावरण दिवस Interact Club के द्वारा आयोजित किया गया जिसमे छात्रों को ऑनलाइन पर्यावरण के प्रति जागरूक किया गया। Interact Club के छात्र सदस्यों ने पर्यावरण के प्रति जागृति फैलाने का संकल्प लिया।

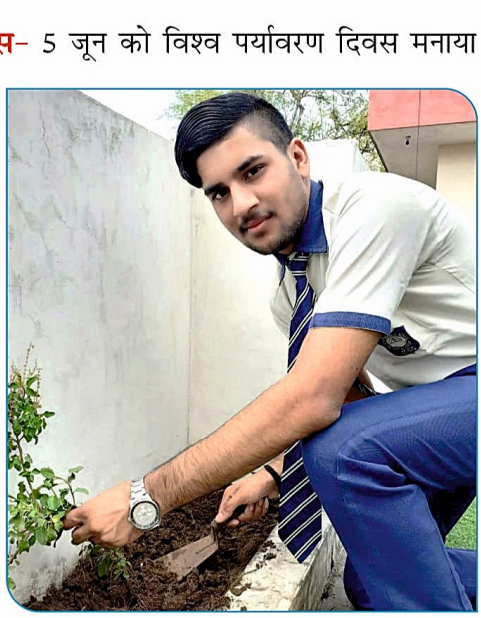

- **टाइम ऑर ट्रांसिशन ऑनलाइन लर्निंग** विषय पर डॉ. संजीव पी. साहनी द्वारा प्रेरक उद्बोधन दिया गया, जिसमें विद्यालय के शिक्षकों ने भाग लेकर परिवर्तनशील अधिगम प्रक्रिया में नए बदलावों के बारे में जानकारी प्राप्त की।
- **परिवर्तन के समय में ऑनलाइन अधिगम विषय** पर प्रेरक उद्बोधक व शिक्षाविद् श्री शिव खेड़ा द्वारा वर्तमान परिप्रेक्ष्य में छात्र समस्याओं पर आधाारित शिक्षकों को संबोधित करते हुए वेबिनार के माध्यम से मार्मिक उद्बोधन दिया गया। सभी शिक्षक लाभान्वित हुए।
- **अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस** के उपलक्ष्य में माहेश्वरी पब्लिक स्कूल ,जवाहर नगर के तत्वावधान में 21 जून को प्रातः छह बजे योग सत्र का आयोजन किया गया जिसका यू-ट्यूब व फेसबुक पर ऑनलाइन प्रसारण किया गया। इस सत्र में विद्यालय के सभी अध्यापक-अध्यापिकाओं, अभिभावक व छात्रों ने सोत्साह भाग लेकर लाभ लिया।

- **भारतीय स्किल डवलपमेंट यूनिवर्सिटी,** जयपुर के तत्वावधाान में **''वोकल फॉर लोकल द सैल्फ रिलायंस मंत्रा''** विषय पर आधाारित प्रश्न मंच का आयोजन किया गया जिसमें विद्यालय के सभी शिक्षकों ने बतौर प्रतियोगी भाग लिया व प्रमाण-पत्र प्राप्त किया।
- **भारतीय स्किल डवलपमेंट यूनिवर्सिटी** जयपुर के तत्वावधान में ई-क्विज ऑन योगा फॉर एवरीवन पावर ऑफ हैल्थ में प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में विद्यालय के सभी शिक्षकों ने भाग लेकर प्रमाण-पत्र प्राप्त किया।
- दिनांक 26 जून को **वर्तमान परिवेश में विद्यालयी शिक्षा में नव रूपान्तर** विषय पर आधारित वेबिनार में ख्यातनाम विद्यालयों के शिक्षाविद् प्राचार्यों में माहेश्वरी पब्लिक स्कूल, जवाहर नगर के प्राचार्य श्री अशोक वैद ने सम्मिलित होकर बतौर विशेषज्ञ अपने विचार व्यक्त किए तथा वेबिनार में सभी शिक्षकों ने भाग लेकर लाभ लिया।

## योग से जुड़े तन-मन

'पहला सुख निरोगी काया' इस उक्ति को चरितार्थ करने के लिए 21 जून को अन्तर्राष्ट्रीय योग-दिवस के अवसर पर विद्यालय में योग से निरोग रहने का प्रयास हुआ। इस अवसर पर विद्यालय के मानद् सचिव श्री मुरारी लाल बिडला, प्रधानाचार्या डॉ. सुनीता वशिष्ठ व अन्य स्टॉफ मौजूद रहे, जिसका सीधा प्रसारण सोशल मीडिया पर भी हुआ और विद्यार्थियों ने ऑनलाईन के माध्यम से अपनी भागीदारी सुनिश्चित की। प्रधानाचार्या ने योग को जीवन का अभिन्न अंग बना कर स्वयं को रोग मुक्त रहने की प्रेरणा दी। श्री मुरारी लाल बिडला जी ने योग के फायदों पर चर्चा करते हुए इसे जीवन में अपनाने का सुझाव दिया।

## पिता के प्यार को किया नमन

*छोटी सी दुनिया के बड़े रखवाले होते हैं पिता*
*वृक्ष की घनी छाँव से होते हैं पिता।*
*बाहर से सख्त पर दिल से मक्खन होते हैं पिता।*

जीवन के सबसे मज़बूत रिश्ते पिता-पुत्री के प्रेम का प्रतीक Father's Day को MGPS की नन्हीं परियों ने अपने अंदाज में 21 जून को मनाया। छात्राओं ने पिता के साथ अपनी फोटो लेकर व लेखनी के माध्यम से अपनी भावनाओं को व्यक्त किया। इस अवसर पर विभिन्न वीडियोज में कविताओं व गानों के माध्यम से छात्राओं ने पिता के प्रति अपने प्रेम व सम्मान को व्यक्त किया।

## अभिभावकों से हुए रूबरू

*रुक नहीं सकते कदम लाख बाधाओं से, कि मैंने उत्साह से भरकर चलना अभी सीखा है।*

सत्र 2020-21 में कक्षा 1 में प्रवेश पाने वाली छात्राएँ और उनके अभिभावक इन्हीं भावों से भरे हुए हैं। यह माना कि काल कठिन है पर जूझने का ज़ज्बा तो पहले कदम से ही भरना है। इसीलिए कक्षा प्रथम में प्रवेश लेने वाले नौनिहालों के अभिभावकों से चर्चा व संवाद हेतु 8 जुलाई, 2020 को एक आरियन्टेशन कार्यक्रम को ऑनलाईन संपादित किया गया जिसमें अभिभावकों ने बहुत ही उत्साह से भाग लिया और विद्यालय की गतिविधियों को समझा। कार्यक्रम का आयोजन विद्यालय की प्रधानाचार्या डॉ. सुनीता वशिष्ठ के द्वारा किया गया।

प्रधानाचार्या ने अभिभावकों को बच्चों के साथ खड़ा हो कर इस महामारी के काल में प्रेरित करने और आपसी सहयोग व समन्वय का आह्वान किया।

## गुरु वन्दन संस्कृति हुई साकार

शिक्षा, शिक्षक व शिष्य एक ऐसी कड़ी है जिसके मध्य में है शिक्षक जो शिक्षा को शिष्य से जोड़ता है। यह सेतु आदिकाल से ही ईश्वर द्वारा पूजनीय रहा है, भी भारतीय संस्कृति की इस महान परंपरा को सजीव करते हुए विद्यालय की छात्राओं ने 5 जुलाई को गुरु पूर्णिमा के अवसर पर गुरुओं के प्रति अपनी श्रृद्धा को विभिन्न माध्यमों जैसे वीडियो, नृत्य व संगीत के सुरों के माध्यम से प्रस्तुत किया। वास्तव में उन्होंने यह साबित किया कि इस काल में जब उनके मार्ग निर्देशक उनसे दूर हैं तब भी उनके लिए वंदनीय, पूजनीय हैं, उन्होंने अपने वीडियों में उनके कर्म को, उनकी निष्ठा को शत-शत नमन किया।

## MGPS के एक और सितारे ने बढाया मान

''रोशनी को सात परदों में भी ढक दो तो भी छिप नहीं सकती, उसे तो उजागर होना ही होना है।'' ऐसी ही रोशनी की धनी विद्यालय की पूर्व छात्रा अपूर्वा परवाल ने जोधपुर में सहायक कलेक्टर के पद पर आसीन होकर विद्यालय का नाम रोशन किया। अपूर्वा ने कक्षा 10 व 12 में विद्यालय में प्रथम स्थान प्राप्त किया था। इंजीनियरिंग के पश्चात् प्रशासनिक सेवा को अपना कर्म क्षेत्र चुना। अपूर्वा अपने विद्यार्थी जीवन से ही मेधावी छात्रा रही है। विद्यालयी शिक्षा के दौरान वे प्रत्येक गतिविधि में बढ-चढ़ कर भाग लेती रही थीं।

## जीवन के नए पड़ाव में प्रवेश

''जीवन का हर पड़ाव, नई राह दिखाता है'' और एक नई राह से जुड़े विद्यालय के जुझारू व परिश्रमी सहयोगी श्री सत्यनारायण आगीवाल जिनका विद्यालयी कार्यकाल 30 जून, 2020 को समाप्त हुआ। इस अवसर पर आयोजित संक्षिप्त कार्यक्रम में प्रबन्ध समिति व सम्पूर्ण स्टॉफ ने उन्हें भावभीनी विदाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उनके परिवारजनों ने विद्यालय परिवार का आभार व्यक्त किया।

## विश्व पर्यावरण दिवस

दिनांक 5 जून 2020 को विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर विद्यार्थियों को संचार साधनों संदेश के माध्यम से मनुष्य और प्रकृति (पर्यावरण) के अटूट संबध के बारे में बताया गया। सभी कक्षाओं के विद्यार्थियों ने विभिन्न गतिविधियों (पेड़-पौधों को पानी देना, कविता लेखन, चार्ट बनाकर) के माध्यम से पर्यावरण की सुरक्षा तथा प्रकृति-प्रेम को संचार साधनों के माध्यम से अभिव्यक्त किया ।

## फादर्स डे

दिनांक 21 जून 2020 (जून माह के तृतीय रविवार) को **'फादर्स डे'** के अवसर पर विद्यार्थियों ने अपने पिताजी को हस्तनिर्मित कार्ड देकर शुभकामनाएँ दीं। विद्यार्थियों के द्वारा लॉकडाउन के दौरान अपने परिवार विशेषतः पिताजी के साथ बिताए अपने सुनहरे और यादगार पलों के छायाचित्रों को शिक्षकों को भेजा गया, जिनका वीडियो बनाकर विद्यालय द्वारा सभी कक्षा के विद्यार्थियों व अभिभावकों को संचार साधनों के माध्यम से फादर्स डे के शुभकामना संदेश के साथ प्रेषित किया गया ।

## योग दिवस की पूर्व संध्या पर विद्यालय की ओर से चेतना व उत्साह से भरी भव्य प्रस्तुति

*जीवन में गर योग हम अपनाएँगे,*
*रोग-प्रतिरोधक क्षमता अपनी बढ़ाएँगे।*

सामाजिक उत्तरदायित्व के निर्वहन में सर्वदा अग्रसर माहेश्वरी पब्लिक स्कूल, प्रतापनगर द्वारा वर्तमान विभीषिका काल 'कोरोना के साथ भी, कोरोना के बाद भी' परिदृश्य में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस की पूर्व संध्या पर ऑनलाइन 'रोग प्रतिरोधक क्षमता संवर्धक योग सत्र का विशेष आयोजन किया गया, जिसमें ओंकार ध्वनि की गूँज, विविध आसनों व प्राणायाम इत्यादि पर आधारित जीवंत प्रस्तुतियाँ करवायीं गईं, जिन्हें मूर्त रूप देने का काम विद्यालय के योगगुरु व उनके द्वारा प्रशिक्षित विद्यालय के छात्रों ने किया । इस संपूर्ण लाइव कार्यक्रम को फेसबुक के माध्यम से विद्यालय के 3000 से अधिक विद्यार्थियों, विद्यालय परिवार के समस्त स्टॉफ सदस्यगण व उनके परिजनों ने देखा तथा अपनी शुभकामनाओं के माध्यम से संपूर्ण कार्यक्रम को पसन्द किया ।

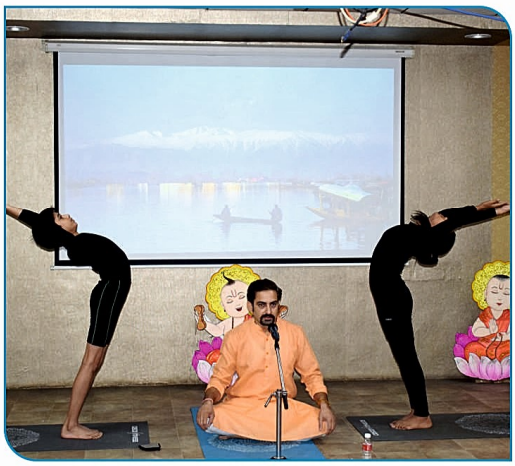

इस अवसर पर डॉ. गजेन्द्र शर्मा, चिकित्सा अधिकारी (आयुर्वेद) आयुर्वेद विभाग, राजस्थान सरकार का विशेष सान्निध्य प्राप्त हुआ, जिन्होंने योग की पुरातन संहिता को वर्तमान जीवन शैली से जोड़ते हुए सकारात्मक जीवन जीने का संदेश दिया। चेयरमैन श्री प्रदीप जी बाहेती ने कोरोना के संकटकाल में योग के महत्त्व को अपने लाइव वीडियो के माध्यम से समझाया ।

कार्यक्रम के प्रारम्भ में विद्यालय के मानद् सचिव मुकेश जी राठी ने आभासी तकनीक के माध्यम से जुड़े सभी आगन्तुकों का स्वागत करते हुए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी द्वारा दिये गये स्वस्थ, स्वच्छ और सुदृढ़ भारत के संदेश को जीवन, प्रकृति व राष्ट्र की प्रतिरोधक क्षमता से जोड़ा। विद्यालय की प्रधानाचार्या श्रीमती रीटा भार्गव ने आमंत्रित अतिथियों के प्रति धन्यवाद ज्ञापन प्रकट करते हुए अवगत कराया कि हमारा विद्यालय इस प्रकार की गतिविधियों से विद्यार्थियों को नित्य जोड़े रखता है ।

## विद्यालय ने प्रशासनिक अधिकारी श्री विनोद अग्रवाल को दी भावभीनी विदाई

दी एजूकेशन कमेटी ऑफ् दी माहेश्वरी समाज (सोसायटी), जयपुर की शिक्षण संस्थाओं में व वर्तमान में MPS प्रताप नगर में श्री विनोद जी अग्रवाल प्रशासनिक अधिकारी के पद पर विगत वर्षों तक अनवरत अपनी कर्मठता एवं कार्यकुशलता से कार्य करते रहे हैं । उनकी

सेवानिवृत्ति के अवसर पर शिक्षा समिति व MPS प्रताप नगर विद्यालय परिवार ने श्री अग्रवाल जी की विदाई कार्यक्रम का आयोजन किया, जिसमें उनकी पूर्व की यादों को जीवंत करते हुए भविष्य में उनकी दूसरी पारी हेतु शुभकामनाएँ दी गईं ।

श्री विनोद जी अग्रवाल ने अपने 33 वर्षों के सेवाकाल में अपने मृदुभाषी, सरल, शांत स्वभाव को कभी नहीं छोड़ा, वह हर प्रकार की चुनौतियों का सामना करते हुए विद्यालय की आंतरिक व बाह्य उन्नति को सतत् प्रयास करते रहे । विदाई के अवसर पर प्रबन्ध समिति के चेयरमैन श्री प्रदीप जी बाहेती, वाईस चेयरमैन श्री रमेश जी सोमानी, महासचिव शिक्षा श्री नटवरलाल जी अजमेरा, मानद् सचिव श्री मुकेश जी राठी, भवनमंत्री श्री अशोक जी अजमेरा समारोह में उपस्थित प्रबन्ध समिति के सदस्यों व प्रधानाचार्या महोदया ने उनके आगामी जीवन के प्रति मंगल भावनाएँ प्रकट कर उनके स्वस्थ, प्रसन्न तथा दीर्घायु जीवन की कामना की ।

## गतिविधियाँ

### पौधारोपण के साथ मनाया विश्व पर्यावरण दिवस

विद्यालय में विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर विभिन्न ऑनलाइन गतिविधियों का आयोजन रखा गया। विद्यार्थियों ने पोस्टर मेकिंग, स्लोगन, चित्रकला, व कागज से सुंदर खिलौने बनाकर अपनी कलात्मकता का परिचय देते हुए प्रकृति संरक्षण का संदेश दिया व सामाजिक दूरी के नियमों का पालन करते हुए शिक्षकों द्वारा भी पौधारोपण किया गया। प्राचार्या श्रीमती अर्चना सिंह ने कहा कि प्रकृति हमारे जीवन का आधार है। हमें इसकी स्वच्छता व सुरक्षा का संकल्प लेना चाहिए। इसी के साथ उन्होंने विद्यालय परिवार को पर्यावरण दिवस की शुभकामनाएँ प्रेषित कीं।

### मनाया फादर्स डे

विद्यालय में फादर्स डे पर विभिन्न ऑनलाइन गतिविधियों का आयोजन रखा गया। किसी भी शख्स के वजूद की पहली पहचान पिता होते हैं। पापा है मोहब्बत का नाम, पापा को हजारों सलाम जैसे भावों को विद्यार्थियों ने कविता, कहानी, गीत, स्लोगन, कार्ड व विडियो के माध्यम से दर्शाया। विद्यार्थियों ने पापा के लिए उनकी पसंद के व्यंजन व केक बनाए तथा नाश्ते की टेबल को सुंदर सजाया। प्राचार्या श्रीमती अर्चना सिंह ने कहा कि ''दुनिया में केवल पिता ही एक ऐसा इंसान है जो चाहता है कि मेरे बच्चे मुझसे भी ज्यादा कामयाब हों।'' इसी के साथ उन्होंने सभी को फादर्स डे की शुभकामनाएँ दीं।

### योग भगाए रोग - 21 जून

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर विद्यालय द्वारा ऑनलाइन योग सत्र का आयोजन विद्यार्थियों व शिक्षकों के लिए रखा गया। इस सत्र में विभिन्न आसनों व प्राणायाम पर आधारित गतिविधि करवाई गई। विद्यालय की योग शिक्षिका सुनीता कुमावत व मिथलेश शौर्य ने विभिन्न आसनों से मिलने वाले लाभ तथा शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाने के उपाय सबसे साझा किए। प्राचार्या श्रीमती अर्चना सिंह ने धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कहा कि कोरोना के इस संकटकाल में रोग-प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाने के लिए योग को दैनिक जीवन में अपनाना अत्यंत आवश्यक है।

## विश्व योग दिवस

दिनांक 21 जून, 2020 को विश्व भर में योग दिवस मनाया गया। इस अवसर पर 20 जून, 2020 को विद्यालय में शिक्षकों के लिए तथा 21 जून, 2020 को सोशल मीडिया के माध्यम से विद्यार्थियों के लिए योग सत्र का आयोजन किया गया। सभी ने विभिन्न आसनों द्वारा स्वास्थ्य लाभ उठाया। ई. सी. एम. एस. अध्यक्ष श्री प्रदीप बाहेती, शिक्षा सचिव श्री नटवर लाल अजमेरा तथा विद्यालय सचिव श्री मनोज कुमार बिड़ला ने भी योग कर स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहने का संदेश दिया।

## देशप्रेम सर्वोपरि

*जो भरा नहीं है भावों से, बहती जिसमें रसधार नहीं*
*वह हृदय नहीं है पत्थर है, जिसमें स्वदेश का प्यार नहीं।*

वर्तमान में भारत कई समस्याओं से संघर्ष करते हुए अपनी गरिमा और प्रभुता को बनाए हुए है। इसी कड़ी में अगला कदम उठाते हुए दिनांक 29-30 जून, 2020 को विद्यालय के हिंदी विभाग की ओर से भारतवर्ष को प्रेरित और सहयोग करने हेतु एक गतिविधि का आयोजन किया गया। इसके अंतर्गत विद्यार्थियों ने अपनी कविताओं और संदेशों के माध्यम से देश को सहयोग कर अपनी देशभक्ति का परिचय दिया।

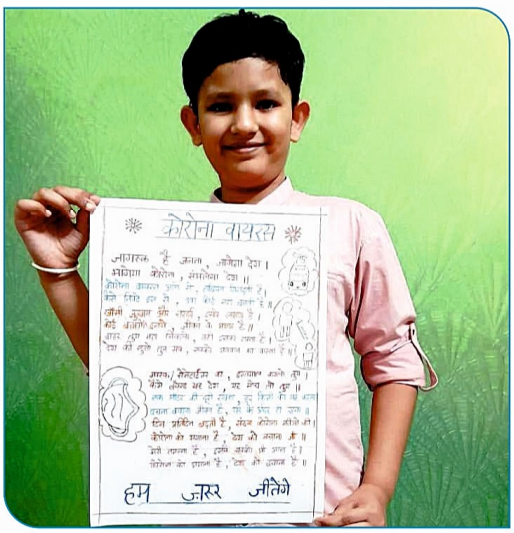


## डॉक्टर्स डे

दिनांक 1 जुलाई, 2020 को संपूर्ण देश के साथ-साथ विद्यालय में भी डॉक्टर्स डे मनाया गया। वर्तमान परिस्थितियों में भारत देश ही नहीं वरन् संपूर्ण विश्व में भी डॉक्टर्स की भूमिका और सहयोग अतुलनीय है। विद्यार्थियों ने अपनी चित्रकारी, लेखन तथा कविताओं के माध्यम से उनके कार्य, मेहनत तथा जज़्बे को सलाम किया।

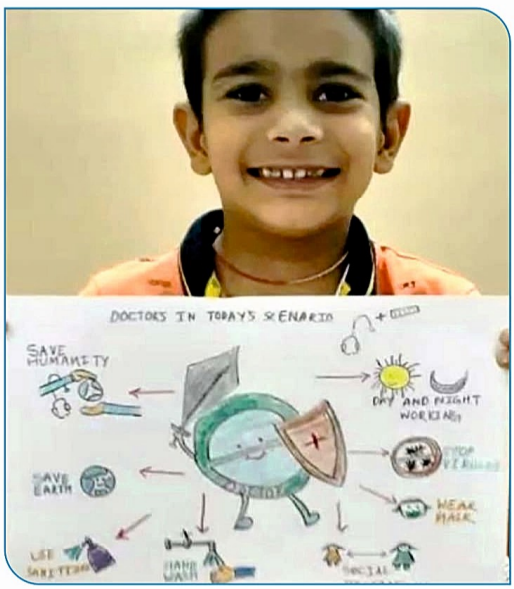


## एक्स्ट्रा मार्क्स प्रशिक्षण

आधुनिक युग तकनीक का युग है, इसी अवधारणा को ध्यान में रखते हुए विद्यालय द्वारा शिक्षकों के लिए एक्स्ट्रा मार्क्स की ओर से दिनांक 26-27 जून, 2020 को दो दिवसीय प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। जिसके अंतर्गत शिक्षकों को डिजिटिल एवं स्मार्ट क्लास का प्रशिक्षण दिया गया।

## नवागंतुक का स्वागत

*गुरु की महिमा अनंत अपार, निराकार को दे आकार*
*गुरु बिन अधूरा है हर शिष्य, गुरु ज्ञान से बने भविष्य।*

दिनांक 4 जुलाई, 2020 को गुरु पूर्णिमा से ठीक एक दिन पूर्व विद्यालय को एक नई सौगात मिली। उत्तम प्रशिक्षक, सलाहकार, पथ-प्रदर्शक एवं गुरु के रूप में प्राचार्य श्री ओ. पी. गुप्ता ने विद्यालय का कार्यभार सँभाला। विद्यालय के मानद् सचिव श्री मनोज कुमार बिड़ला ने पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका स्वागत किया तथा उनके निर्देशन में विद्यालय के उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

# माहेश्वरी पब्लिक स्कूल, बगरू

## क्ले-मॉडलिंग गतिविधि

अजमेर रोड स्थित एम.पी.एस संस्कृति में 17 जून 2020 को छोटे-छोटे बच्चों को मिट्टी से टेडी बीयर बनाना सिखाया गया और साथ ही साथ बच्चों को और भी कलाकृतियाँ बनाने के लिए प्रेरित किया गया, जिससे उन्होंने अपने मनपसंद रंगों का प्रयोग कर मिट्टी से तरह-तरह की आकर्षक कलाकृतियों का निर्माण किया तथा अपने माता-पिता के साथ अपना फोटो भेजकर आनंदित हुए।

## पितृ-दिवस

दिनांक 20 जून 2020 को माहेश्वरी पब्लिक स्कूल, अजमेर रोड में **'फादर्स-डे'** मनाया गया। इस शुभावसर पर ऑनलाइन निर्देशन में प्री प्राइमरी से 12वीं कक्षा तक के बच्चे शामिल हुए। बच्चों ने पिता के सम्मान के लिए चित्र, कार्ड्स व

उपहार बनाकर उन्हें प्रदान किए तथा बच्चों ने पिता के लिए गीत, कविताओं व नृत्य के जरिए ऑनलाइन होकर अपनी भावनाएँ व्यक्त कीं।

## योग-दिवस

दिनांक 21 जून 2020 को माहेश्वरी पब्लिक स्कूल, अजमेर रोड में **'विश्व योग-दिवस'** के शुभावसर पर ऑनलाइन योग कक्षा का आयोजन किया गया। इस शुभावसर पर विद्यालय के मानद् सचिव श्रीमान श्याम सुंदर जी तोतला, भवन सचिव श्रीमान सुरेंद्र जी काबरा, प्रधानाचार्या श्रीमती दलजीत कौर, उपप्रधानाचार्य श्रीमान पवन माहेश्वरी, शिक्षकवृंद व विद्यालय स्टॉफ ने शारीरिक शिक्षिका हेमा सैनी के मार्गदर्शन में सूर्य नमस्कार, वज्रासन, अनुलोम-विलोम, चक्रासन, सुखासन, मयूरासन एवं पद्मासन आदि योगासन तथा प्राणायाम कर मानव जीवन में योग के महत्त्व को जाना। इस भागदौड़ भरी जिंदगी में शांति, प्रसन्नता, कुशल स्वास्थ्य व रोगप्रतिरोधक क्षमता में वृद्धि के लिए योग करने की जरुरत है। जब अविद्या में विमोहित होकर आत्मा 'जीव' की संज्ञा पाकर आध्यात्मिक, आधिदैविक और आधि-भौतिक इन तीन तापों के अधीन होती है तब इन तीन तापों से मुक्ति पाने का योग ही एक उपाय है।

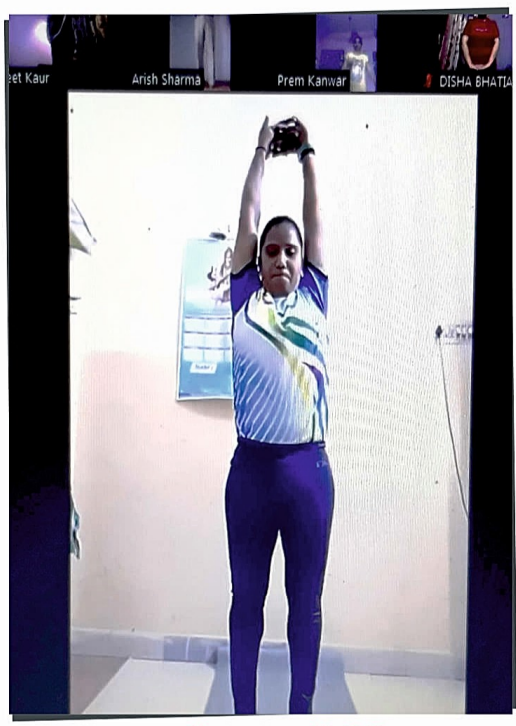


## नशा रोकथाम गतिविधि

हमारे सभी धर्म-शास्त्रों व ग्रंथों में नशा करना महापाप व धन, स्वास्थ्य तथा बुद्धि का नाश करने वाला बताया गया है। नशे की लत व्यक्ति को शारीरिक, मानसिक, चारित्रिक एवं आर्थिक रूप से खोखला बना देती है। इसकी जागरूकता के लिए ही दिनांक 26 जून, 2020 को माहेश्वरी पब्लिक स्कूल, अजमेर रोड में विद्यार्थियों द्वारा **'नशा रोकथाम गतिविधि'** का ऑनलाइन आयोजन किया गया। इस गतिविधि में विद्यार्थियों ने नशे की आदतों में सुधार हेतु चित्र, पोस्टर एवं कविताओं के माध्यम से नशे से होने वाली हानियों के प्रति जनता को सचेत किया।

## पेरेन्ट्स ओरिएन्टेशन कार्यक्रम का आयोजन

विद्यालय में माता-पिता उन्मुखीकरण (पेरेन्ट्स ओरिएन्टेशन) कार्यक्रम का आयोजन 1 जुलाई, बुधवार को लाहोटी सभागार में किया गया। विद्यालय के मानद सचिव श्री अशोक कुमार फलोड द्वारा दीपप्रज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर मानद सचिव महोदय ने अभिभावकों को संबोधित करते हुए कहा कि बालक की प्रथम पाठशाला उसका अपना घर और विद्यालय उसकी दूसरी पाठशाला है। जहाँ उसके संस्कारों को बल मिलता है। विद्यालय के अध्यापकों द्वारा भावी पीढ़ी के रूप में देश के भविष्य को तैयार किया जाता है। इस अवसर पर विद्यालय के प्राचार्य श्री ओ.पी. गुप्ता ने अपने उद्बोधन में अभिभावकों व अध्यापकों में समय के साथ बदलाव लाने, बच्चों की भावनाओं को समझने व उनके साथ तारतम्यता बनाने की बात कही एवं विद्यालय की उपलब्धियों से अभिभावकों को अवगत कराया गया।

पेरेन्ट्स ओरिएन्टेशन कार्यक्रम में मानद सचिव महोदय द्वारा विद्यालय की वर्चुअल लाइब्रेरी का उद्घाटन भी किया गया। कार्यक्रम के अन्त में विद्यालय के उपप्राचार्य श्री अजय कुमार गुप्ता ने पधारे हुए अतिथियों का धन्यवाद ज्ञापित किया तथा अभिभावकों को विद्यालय का निरीक्षण करवाया।

## ऑनलाइन योग क्लास द्वारा मनाया अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस

अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर 21 जून, रविवार को सुबह 7:45 बजे ऑनलाइन योग क्लास का आयोजन कर विद्यालय के सभी शिक्षकों ने योग दिवस मनाया। इस अवसर पर योग प्रशिक्षक के रूप में सेन्ट्रल पार्क के नियमित योग प्रशिक्षक योग गुरु डॉ. महेन्द्र सिंह राव ने अनुलोम-विलोम, कपालभाती, प्राणायाम एवं ध्यान आदि का अभ्यास कराया एवं वर्तमान सन्दर्भ में योग के महत्त्व को समझाया। अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस के इस अवसर पर विद्यालय के मानद् सचिव महोदय श्री अशोक कुमार फलोड़ एवं प्राचार्य महोदय ने भी शिक्षकों के साथ योगाभ्यास किया।

# दी एज्यूकेशन कमेटी ऑव् दी माहेश्वरी समाज (सोसायटी) जयपुर

## माहेश्वरी गर्ल्स सी. सैकण्डरी स्कूल, चौड़ा रास्ता

### कक्षा प्रथम के लिए ऑरिएन्टेशन (परिचायन)

विद्यालय में दिनांक 12 जून, 2020 को कक्षा प्रथम की छात्राओं के लिए ऑरिएन्टेशन प्रोग्राम का आयोजन हुआ। जिसमें अभिभावको को कक्षा प्रथम के लिए निर्धारित नवीन पुस्तक से रूबरू करवाया गया। अभिभावकों को जानकारी दी गई कि बच्चों के लिए सत्र पर्यन्त आठ पुस्तक निर्धारित की गईं। जिसमें से प्रत्येक महीने में एक पुस्तक पढ़ाई जायेगी। इस पुस्तक में सभी विषय समाहित है और इसके अन्तर्गत विभिन्न गतिविधियाँ व कलात्मकता भी है। रोचक, सरस होने के साथ-साथ कंधों के भारी-भरकम बोझ से मुक्ति प्रदान करने वाली भी है। अभिभावक ने इस नवीन पुस्तक को सकारात्मक बताते हुए इसकी सराहना की व अपनी सहर्ष सहमति भी प्रदान की।

### ऑनलाइन क्लासेज की पूर्ण तैयारी

विद्यालय में 1 जुलाई, 2020 से ऑनलाइन क्लास लेने हेतु समस्त अध्यापक गण पूर्ण तैयारी में लगे हुए हैं। सरकारी आदेश का पालन करते हुए, वैश्विक महामारी के दौर में छात्राओं का अध्ययन यथावत चलता रहे इसके लिए शिक्षकगण ट्रायल क्लासेज द्वारा उसे पूर्ण प्रभावी बनाने में जुटे हुए हैं। छात्राएँ घर पर सुरक्षित रहते हुए सुचारू रूप से अध्ययन कर सकें इसके लिए शिक्षकों ने प्रभावी शिक्षण की पूर्ण तैयारी सहायक सामग्री जैसे पी.पी.टी, पी.डी.एफ. व नोट्स के साथ कर ली है।

### परीक्षा परिणाम घोषित

विद्यालय में सत्र 2019-20 में आयोजित वार्षिक परीक्षा का परिणाम कक्षानुसार घोषित किया गया। इसके लिए कक्षानुसार अभिभावक शिक्षक मिलन समारोह (PTM) का आयोजन किया गया। अभिभावक दिए गए निश्चित समय पर पहुँचे और शिक्षकों से मिले व अपने बच्चों का परीक्षा परिणाम प्राप्त किया। इस दौरान सभी अभिभावकों ने कोविड-19 के समस्त नियमों का पालन किया। सभी मास्क लगाकर विद्यालय आए व सोशल डिस्टेंसिंग का पूर्ण पालन किया। शिक्षकों ने भी कोरोना काल के समस्त नियमों का पालन किया। प्रत्येक कक्षा व सेक्शन को रोल नम्बर के अनुसार निर्धारित समय में परीक्षा परिणाम दिया गया। इस प्रकार व्यवस्थित रूप से परीक्षा परिणाम के कार्य को पूर्ण किया गया।

### अभिभावक शिक्षक ऑनलाइन मीटिंग

कोविड-19 के चलते विद्यालय में नवीन शैक्षणिक सत्र सुचारु रूप से चलाने हेतु अभिभावक शिक्षक ऑनलाइन मीटिंग का आयोजन किया गया। प्रत्येक कक्षा अध्यापक द्वारा ऑनलाइन मीटिंग द्वारा अभिभावकों की समस्या का समाधान किया व ऑनलाइन शिक्षा की वर्तमान समय में प्रासंगिकता व महत्ता भी बताई गई।

### ऑनलाइन योग दिवस का आयोजन

अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर 21 जून 2020 को विद्यालय परिवार द्वारा ऑनलाइन योग दिवस का आयोजन किया। गणेश वंदना द्वारा कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। विद्यालय के मानद् सचिव एडवोकेट द्वारका दास मालू ने योग दिवस पर सभी को क्रियाशील होने का संदेश दिया व योग को अपने जीवन शैली में समाहित करने हेतु सभी को प्रेरित किया। कार्यवाहक प्राचार्या श्रीमती दीप्ति श्रीवास्तव ने योग दिवस की शुभकामना देते हुए योग की महत्ता को उजागर किया। योगा शिक्षिका सुश्री भारती कुमावत व अनामिका जी द्वारा विभिन्न प्राणायाम एवं आसन द्वारा सभी को योगाभ्यास करवाए गए व इनके लाभ बताए गये। उप प्राचार्य श्रीमान् प्रमोद जाजू द्वारा सभी को धन्यवाद ज्ञापित किया गया।

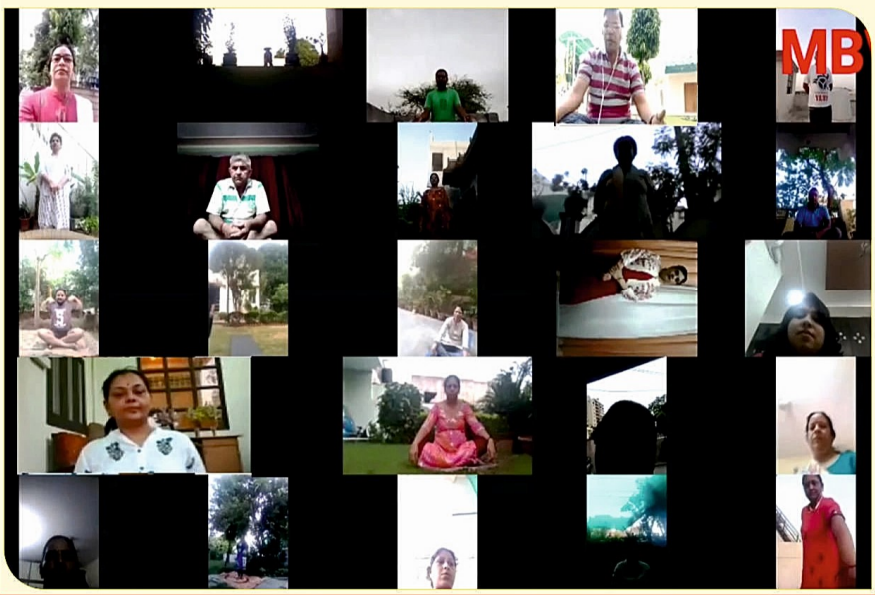


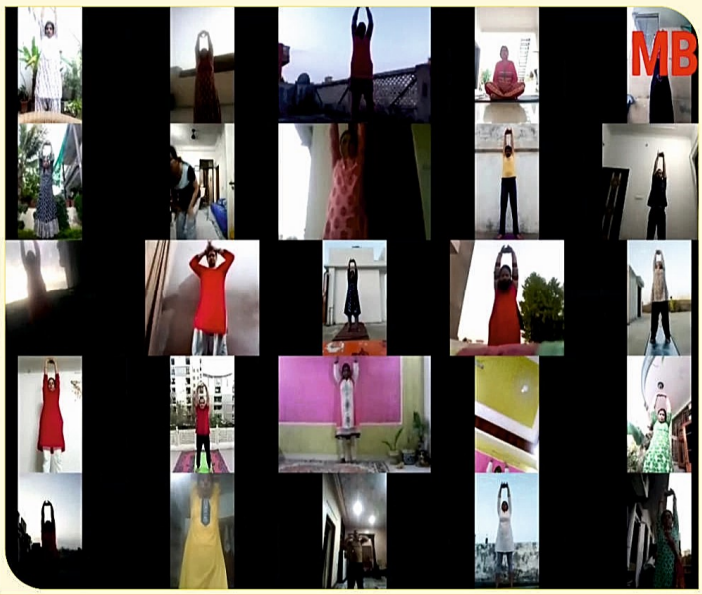

# ECMS : वृक्षारोपण अभियान प्रारम्भ

## पौधारोपण एवं पर्यावरण संरक्षण का संदेश

श्री माहेश्वरी उच्च माध्यमिक विद्यालय, तिलक नगर परिसर में 17 जुलाई को पर्यावरण संरक्षण व वन महोत्सव का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में ECMS के पदाधिकारी व विद्यालय प्रबंध समिति के सदस्यगण व विद्यालय के कर्मचारियों ने विभिन्न प्रकार के पौधों का रोपण किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री राजेन्द्र कुमार न्याती थे। इस अवसर पर चैयरमेन श्री प्रदीप बाहेती, उपाध्यक्ष श्री रमेश कुमार सोमानी, पौधारोपण अभियान के संयोजक श्री संजय काबरा, मानद् सचिव श्री अशोक कुमार फलोड़, MBV के सचिव श्री द्वारका दास मालू (एडवोकेट), MPS Intl. सचिव श्री निर्मल दरगड़, सह-संयोजक श्री सतीश कुमार सारड़ा व श्री गिरधर झँवर, अध्यक्ष नवयुवक मण्डल श्री आशीष मंत्री, MHS भवन मंत्री श्री अजय नोवाल, राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रदेश प्रवक्ता श्री मनोज मुद्गल, एम.एम.सी. सदस्य श्री प्रकाश बिरला तथा कार्यवाहक प्राचार्य श्री अजय कुमार गुप्ता मौजूद थे।

## पेड़ लगाओ, स्वास्थ्य बचाओ

एम.पी.एस.इन्टरनेशनल में वर्षा ऋतु के आगमन के साथ ही वृक्षारोपण की परिपाटी को आगे बढ़ाया गया। पर्यावरण सुरक्षा के लिए संकल्पित इस कार्यक्रम में सोशल डिस्टेंसिंग की अनुपालना करते हुए अतिथि डॉ. रवि मोदानी, श्री मनोज मुद्गल, ECMS अध्यक्ष श्री प्रदीप बाहेती, उपाध्यक्ष श्री रमेश सोमानी, विद्यालय सचिव श्री निर्मल दरगड़ व ई.सी.एम.एस के अनेक गणमान्य पदाधिकारियों ने भाग लिया। इस अवसर पर विद्यालय प्रबन्ध समिति व भवन समिति के सदस्य भी उपस्थित रहें।

वृक्षारोपण कार्यक्रम के अंतर्गत नीम, शीशम, अशोक, गुलमोहर आदि अनेक वृक्ष लगाए गए। संगीत विभाग ने **'वृक्ष लगाएँ हम'** सुमधुर संगीत के माध्यम से वातावरण को सकारात्मक बनाया।

ई.सी.एम.एस अध्यक्ष श्री प्रदीप बाहेती ने अधिकाधिक वृक्ष लगाने का संदेश देते हुए कहा कि कोरोना काल में इस तरह की गतिविधि एक प्रेरणास्पद प्रयास है तथा हमें पेड़ो की सुरक्षा व हरियाली बढ़ाने का निरन्तर प्रयास करते रहना चाहिए।

प्राचार्या श्रीमती अर्चना सिंह ने घटते स्वास्थ्य से युक्त इन परिस्थितियों में वृक्षारोपण को एक महत्वपूर्ण कदम बताते हुए सभी अतिथियों को धन्यवाद ज्ञापित किया।

### वृक्षारोपण कार्यक्रम

| | संस्था | दिनांक | समय |
|---|---|---|---|
| 1. | श्री माहेश्वरी सीनियर सेकेण्डरी स्कूल, तिलक नगर | 17.7.20 | प्रातः 9 से 10 बजे तक |
| 2. | माहेश्वरी पब्लिक स्कूल इंटरनेशनल, तिलक नगर | 17.7.20 | प्रातः 10 से 11 बजे तक |
| 3. | माहेश्वरी पब्लिक स्कूल, जवाहर नगर | 18.7.20 | प्रातः 9 से 10 बजे तक |
| 4. | माहेश्वरी पब्लिक स्कूल, प्रताप नगर | 19.7.20 | प्रातः 10 से 11 बजे तक |
| 5. | माहेश्वरी पी.जी. गर्ल्स कॉलेज, प्रताप नगर | 19.7.20 | प्रातः 10 से 11 बजे तक |
| 6. | माहेश्वरी गर्ल्स पब्लिक स्कूल, विद्याधर नगर | 21.7.20 | प्रातः 9 से 10 बजे तक |
| 7. | एम.पी.एस. संस्कृति, बनीपार्क | 24.7.20 | प्रातः 9 से 10 बजे तक |
| 8. | माहेश्वरी पब्लिक स्कूल, कालवाड़ रोड़ | 25.7.20 | प्रातः 9 से 10 बजे तक |
| 9. | माहेश्वरी पब्लिक स्कूल, अजमेर रोड़, बगरू | 26.7.20 | प्रातः 10 से 11 बजे तक |

**संजय काबरा** संयोजक

**सतीश सारडा** **गिरधर झंवर** सह-संयोजक


Madho Bihari Kabra
+91-9314800716
K.K. MEDICOS
Special Discount for
Maheshwari Samaj Members

SIDDHI
OPP. ZANANA HOSPITAL, STATION ROAD, JAIPUR
Tel.: (S) 4919968, 2365229, Mob.: 8890905769



गोल्डन जुबली पर हार्दिक शुभकामनाएँ

**रमेश परवाल**
सुपुत्र स्व. श्री गौरीशंकर जी
सुपौत्र स्व. श्री औंकारमल जी
वाइस चैयरमेन-विवाह प्रकोष्ठ
श्री माहेश्वरी समाज, जयपुर
प्रदेश मंत्री- पूर्वोत्तर राजस्थान (द्वितीय सत्र)
कार्यकारी मंडल सदस्य-अ.भा.माहेश्वरी महासभा (सत्र-29)

मनीषा-लक्ष्मीकांत जी हुरकट (आदित्य, भास्कर)
नितिन- वन्दना परवाल (अभय, मानसी)
स्वाति- नवीन जी मांधना (प्रियांशु, अवीशी)

**पुष्पा परवाल**
सुपुत्री स्व. श्री कन्हैयालाल जी सोमानी
सुपौत्री स्व. श्री कल्याणमल जी सोमानी
गोल्डन जुबली
26 जून 2020

सी-2, अपोलो अपार्टमेन्ट, सेक्टर-3, विद्याधर नगर, जयपुर-302039 मो. 9314870491, 7014084853 email : parwal1950@gmail.com

वैवाहिक जीवन के 50 वर्ष सुखमय, आनन्दमय पूर्ण करने पर हार्दिक बधाई
परवाल परिवार, नरायना ✦ सोमानी परिवार, सांभरलेक

# कृष्णधाम

1. दिनांक 15.06.2020 को श्री जयंत पेरिवाल ने स्वेच्छा से आश्रमवासियों को लंच करवाने हेतु सहयोग दिया।
2. दिनांक 18.06.2020 को श्रीमती गीता देवी धर्मपत्नी श्री लाल चंद मालपानी ने अपने पुत्र श्री विजय पुत्रवधू शोभा मालपानी की वैवाहिक वर्षगाँठ पर आश्रम में लंच हेतु सहयोग दिया। प्रेरक– श्री रामअवतार आगीवाल।
3. दिनांक 23.06.2020 को श्री शिवचरण सुपुत्र स्व. श्री कन्हैयालाल कचोलिया ने आश्रम में लंच हेतु सहयोग दिया।
4. दि. 23.06.2020 को श्री हरक चंद भाला ने आश्रम को 25 किलो बूरा व 25 किलो चीनी भेंट की। सहयोग– श्री पूनम चंद भाला (महेश सेवा कोष संयोजक)
5. दिनांक 03.07.2020 को श्रीमती गायत्री धर्मपत्नी श्री बाल किशन पेड़ीवाल ने अपनी सुपौत्री आरुषि सुपुत्री श्रीमती अनुराधा रवि पेड़ीवाल, ऋषिका सुपुत्री श्रीमती ममता संदीप पेड़ीवाल के जन्मदिन पर आश्रम को 5000/– रुपए भेंट किये।
6. श्री विकास सोढानी सुपुत्र श्री श्रीराम सोढानी सीकर निवासी ने आश्रम को 30 किलो पोहा भेंट किया।
7. श्री अंकुर कोठारी सुपुत्र श्रीमती स्नेहलता श्री ओम प्रकाश कोठारी ने 45 किलो चावल एवं 6.5 किलो चीनी भेंट की।

सभी सहयोगियों और दानदातओं का आभार एवं धन्यवाद।

**मालचंद बाहेती**–9829461340

# माहेश्वरी इन्टरनेशनल मैरिज ब्यूरो

**( अन्तर्गत श्री माहेश्वरी समाज, जयपुर )**

माहेश्वरी इन्टरनेशनल मैरिज ब्यूरो के द्वारा हाइटेक डिजिटल टेक्नोलोजी पर आधारित विवाह योग्य माहेश्वरी युवक-युवतियों के बायोडाटा के संकलन की डिजिटल बुक अक्टूबर, 2020 में तैयार कर नि:शुल्क प्रेषित करने का निश्चय किया है।

अत: सभी समाज बन्धुओं से निवेदन है कि विवाह योग्य युवक-युवतियों के बायोडाटा व फोटो व्हाट्सएप नं. 8619530451 या ई-मेल mimbjpr@gmail.com पर प्रेषित करने का श्रम करें।

**विष्णु लढ्ढा**
मंत्री विवाह प्रकोष्ठ (9829017635)

**घनश्याम मंत्री**
समन्वयक, विवाह प्रकोष्ठ (9414991967)

## समाज कार्यालय में ई-मित्र सुविधा प्रारंभ

ई-मित्र के माध्यम से भारत सरकार व राजस्थान सरकार की सभी योजनाएँ एवं 401 कार्यों की जानकारी घर बैठे आप फोन से समाज कार्यालय से प्राप्त कर सकते हैं।

समाज के आर्थिक पिछड़े परिवार निम्न सरकारी योजनाओं का (यदि योग्य हैं तो) लाभ प्राप्त करें-

1. **जन आधार कार्ड**
2. **वृद्धावस्था पेंशन**
3. **राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा**
4. **पालनहार योजना**
5. **सहयोग एवं उपहार योजना।**
6. **आयुष्मान भारत महात्मा गांधी स्वास्थ्य योजना**
7. **एकल नारी पेंशन ( विधवा, तलाकशुदा व परित्यक्ता )**

ई-मित्र सम्बन्धित जानकारी के लिए सम्पर्क करें–

**लालचन्द कचोलिया** (मो. 9413005499)

**कमलेश शर्मा** (मो. 9413793771)

# महेश सेवा कोष

**(श्री माहेश्वरी समाज, जयपुर)**

## आवश्यक सूचना

**श्री माहेश्वरी समाज, जयपुर महेश सेवा कोष के माध्यम से चिकित्सा सहायता, शिक्षा सहायता के अतिरिक्त वृद्धजनों/विधवा बहनों को निरन्तर सहायता प्रदान करता आ रहा है।**

**मासिक सहायता :** विधवा बहनों एवं वृद्ध सदस्यों को जिनके **परिवार की आय का कोई भी साधन नहीं है** महेश सेवा कोष से समिति द्वारा निर्धारित सहयोग राशि 3500/– रु. प्रतिमाह भरण पोषण हेतु दी जाती है।

**चिकित्सा सहायता :** महेश अस्पताल एवं सरकारी अस्पताल में चिकित्सा पर (निजी चिकित्सालयों में नहीं) औषधियों, शल्य-चिकित्सा एवं अन्य जाँचों (समाज द्वारा संचालित डायग्नोस्टिक सेन्टर में अधिकृत अस्पताल के परामर्श करायी गई जाँचें सम्मिलित) हेतु समिति द्वारा निर्धारित राशि वार्षिक तक के चिकित्सा बिलों का पुनर्भरण किया जा सकता है। उन बिलों का भुगतान जो दो माह पूर्व के होंगे वो भुगतान योग्य नहीं होंगे। **(निजी अस्पताल के बिल भुगतान योग्य नहीं होंगे।)**

**शिक्षा सहायता :** उन परिवारों को जिनकी मासिक आय 10,000 रूपये से कम है, के बच्चों को उच्च शिक्षा में व्यवधान न हो विद्यालय फीस हेतु समिति द्वारा निर्धारित राशि की वार्षिक सहायता दी जा सकती है (प्रति बालक/बालिका अधिकतम दो बच्चों हेतु)।

- **एक परिवार में अधिकतम एक ही सदस्य को मासिक सहायता दी जा सकेगी।**
- **केवल वृद्धजनों व विधवा बहनों को ही मासिक सहायता दिये जाने का प्रावधान है।**
- **तलाकशुदा बहनों को मासिक सहायता नहीं दी जाती है।**

### महेश सेवा कोष सरलीकरण समिति

गोविन्द साबू  ओमप्रकाश मांधना  सुनील अजमेरा

**पूनम चन्द भाला**
संयोजक–9828019871

**महेन्द्र कुमार शारदा**
सह संयोजक–9829005899

**योगेश मैनाना**
सह संयोजक–9772399082

**मनीष सोमानी**
जोन–1 संयोजक
9414071782

**दीपक तोतला**
जोन–2 संयोजक
9829068241

**अशोक साबू**
जोन–3 संयोजक
9829064358

**सुनील नोगजा**
जोन–4 संयोजक
9414204024

**लक्ष्मीनारायण मोदानी**
जोन–5 संयोजक–9460069917

**राकेश तोषनीवाल**
जोन–6 संयोजक–9001295992

# श्री माहेश्वरी महिला परिषद्

## सातुड़ी तीज के लिए तैयार सत्तू आटा

श्री माहेश्वरी महिला परिषद्, जयपुर द्वारा प्रतिवर्ष की भांति इस बार भी शुद्धता से सत्तू का आटा तैयार करवाया जा रहा है। गेहूं, जौ, चावल व चने का सत्तू का आटा भाड़ का भुना हुआ तैयार हो गया है। आटे के अतिरिक्त पिसी हुई चीनी और बूरा भी उचित दरों पर महिला परिषद् के पीतलियों के चौक कार्यालय पर उपलब्ध हैं।

**प्रति किलो दरें :–**

| | | | |
|---|---|---|---|
| भुने गेहूं का आटा | 80 ₹ | चावल भुना आटा | 90 ₹ |
| चावल का आटा | 70 ₹ | जौ गुली आटा | 50 ₹ |
| चने का आटा | 160 ₹ | भुने चने का आटा | 170 ₹ |
| बूरा/पिसी चीनी | 50 ₹ | | |

**प्राप्ति स्थल व संपर्क सूत्र :–**

1. संतोष जी, परिषद कार्यालय, पीतलियों का चौक, जौहरी बाजार, जयपुर मोबाइल -8302667741
2. स्नेहलता साबू (सचिव), 6/423, ज्योति मार्ग, विद्याधर नगर, मोबाइल- 9828785881
3. राजकुमारी लड्ढा (गृह उद्योग मंत्री), 264, बरकत नगर, टोंक फाटक , महेश कॉलोनी के पास, जे पी अंडरपास, मोबाइल- 9309401545


Sparklez
Creating An Aura
Sharad Bagree
+91-9269099995
+91-9214145888

Weddings | Corporate | Photography
Catering | Birthday | Anniversary
Baby Shower & All Type of events
Registered in Utsav Maheshwari Bhawan
Address : F-255, Priyadarshini Marg, Shyam Nagar, Jaipur
E-mail : sparklezaura@gmail.com | https://m.facebook/sparklezjaipur/

Pankaj Dhoot
+91 9829050286
AAYUSHI ASSOCIATES
RASHHI ENTERPRISE
15, Indra Colony, Near Pani Pech
Bani Park, Jaipur, M. : 9829014948
G-3, Venkteshwara Complex
Central Spine, Vidhyadhar Nagar, Jaipur
M.: +91 9929090286
e-mail : pankaj_dhoot@yahoo.com
MICROTEK TECHNOLOGY WE LIVE
OKAYA JAPANESE BATTERIES
EXIDE
Deals in Inverter, UPS , Battery , SOLAR .

गुरु कृपा
मालपानी मैरिज ब्यूरो
ऑल इण्डिया विवाह योग्य
लड़के-लड़कियों हेतु सम्पर्क करे
तलाकशुदा (विधुर व विधवा) भी मिलें
राजेन्द्र मालपानी : 6377275813
304, वैशाली नगर, जयपुर
राजेन्द्र मालपानी : 8387064577 (व्हाट्सएप)
अन्जू मालपानी : 8946939394 (व्हाट्सएप)


## वृक्षारोपण अभियान

श्रीमाहेश्वरी महिला परिषद्, जयपुर द्वारा वृक्षारोपण अभियान के **प्रथम चरण** का शुभारंभ रविवार 12 जुलाई को प्रात: 8: 30 बजे विद्याधर नगर सेक्टर 6 शॉपिंग सेंटर के विशाल पार्क में छायादार एवं फलदार वृक्षों के रोपण से सम्पन्न हुआ। परिषद अध्यक्ष रजनी माहेश्वरी ने जानकारी दी कि सचिव स्नेहलता जी साबू एवं टीम 9 के कार्यकर्ताओं के सहयोग से बहुत ही सुंदर व्यवस्था की गई। समाज अध्यक्ष श्री प्रदीप जी बाहेती व उनकी जीवन संगिनी प्रीति जी बाहेती, महिला परिषद् की निवर्तमान अध्यक्ष अनीता जी काबरा, पूर्वोत्तर राजस्थान प्रदेश अध्यक्ष विजयश्री तापड़िया जी, स्थानीय पार्षद श्री दिनेश जी कांवट तथा महिला परिषद् पदाधिकारी शशि लखोटिया, ज्योति बिड़ला, मीरा मारू, कार्यकारिणी सदस्य गरिमा खटोड़, वर्षा खटोड़, राधा बाहेती, सुमन साबू, कांता चांडक, अनुराधा डागा, रेखा साबू, रेखा पटवारी ने भी वृक्षारोपण किया। पीपल, नीम, गुलमोहर, जामुन, बेलपत्र आदि वृक्ष लगाए गए। आराधना जी सोमानी के सौजन्य से मास्क वितरित किए गए और सभी उपस्थित जनों को अल्पाहार करवाया गया। दूसरे निर्धारित स्थल पुरानी बस्ती, चांदपोल बाजार स्थित सरस्वती कुंड विद्यालय पर संयोजक अनुराधा जी कचोलिया और ममता जी जाखोटिया ने श्रीमती प्रेमलता जी मांधना, शशि जी साबू एवं स्थानीय जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में वृक्षारोपण किया। गुलमोहर, नीम, अमलतास आदि वृक्ष स्कूल प्रांगण में लगाए गए। शशि जी साबू ने वहां भी हस्तनिर्मित मास्क सभी को वितरित किए।

**द्वितीय चरण**– रविवार, 19 जुलाई, 2020
प्रात: 9 बजे . महेश पार्क, महेश कालोनी, टोंक रोड
संयोजक : अल्पना शारदा, अनीता परवाल
प्रात: 11 बजे – वी.टी.रोड, एपेक्स इंस्टीट्यूट के सामने, मानसरोवर, जयपुर
संयोजक : सविता राठी, रचना डागा

**महिला परिषद् द्वारा श्रावण माह में आयोजित वृक्षारोपण अभियान में आप सादर आमंत्रित हैं।**

*वृक्षारोपण कार्य महान, एक वृक्ष दस पुत्र समान*
*आओ वृक्ष लगाएं हम, जीवन सफल बनाएं हम।*

SRSP
COLOUR ROOF™
RELIABLE • DURABLE • ECONOMICAL
Colour Coated Profile Sheets
मजबूती बेमिसाल...चलो सालो साल...

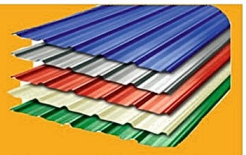

Kailash Mimani
+91- 8824118281
Harshit Mimani
+91- 8302003095

RESIDENTIAL | COMMERCIAL | INDUSTRIALS
Colour Coated Sheets | Gutters | Flashings
Corners | Ridges Crimps | Installation Accessories
Road No.9A, VKI Industrial Area, Sikar Road, Jaipur - (Raj.)



गोल्डन जुबली पर शुभकामनाएँ

मदन लाल राठी
एवं
सावित्री देवी राठी

के वैवाहिक जीवन के 50 वर्ष सुखमय,
आनन्दमय पूर्ण करने पर हार्दिक बधाई

| | | |
|---|---|---|
| पुत्र-पुत्रवधू | पवन कुमार | – प्रिया राठी |
| | सन्तोष कुमार | – संगीता राठी |
| | गिर्राज | – सुनीता राठी |
| पौत्र- | सौरभ, प्रियांश राठी | |
| पौत्री- | पूनम – जितेश कालानी<br>रिंकू, राधिका, दिव्या, कनिष्का राठी | |
| बहन-बहनोई- | प्रेम देवी झंवर | – |
| बेटी-दामाद | शीला माहेश्वरी | – |
| ससुराल पक्ष- | कैलाश, शंकर, विष्णु, सुरेश, राजेन्द्र कुमार, पुरुषोत्तम, दीपक एवं गगरानी परिवार (जमवारामगढ़वाले) | |



Pradeep Somani

9352488758

NIRMIT PROPERTIES
TO-LET • SALE • PURCHASE

NIRMIT OPTICIANS

20% Discount

G-43, Dwarika Tower, Vidhyadhar Nagar, Jaipur
E-mail : nirmit.opticians@gmail.com



9887896797

अनिता एंड अनिता
Sarees
Exclsive & Primium
Collection:
सिन्थेटिक ऑल ब्राण्ड
सुभाष, लक्ष्मीपति, विशाल
शॉल, आसन, नेपकीन, टॉवल
काकड़ डोरा भी उपलब्ध है।
नाइटी
Visit Now

TLISHMI MOTI
HELPS TEETHING BABIES
चारमीनार-कुमकुम, मोली
हैदराबाद-चीड की फैन्सी राखी
मांगलिक एवं शुभ कार्य

Add : G-9-10/103 Anmol Residency, Path No.6,Vijaybari, Sikar Road, Jaipur



Mukesh Baheti +91 98290 48022
Give A Missed Call on
02261883537
& Get an Exclusive Offer
BAHETI OPTICIAN

Ray-Ban ELLE fastrack VOGUE LACOSTE TOMMY HILFIGER ESPRIT

A-13, Mall Road, Sector-1,
Vidhyadhar Nagar,
Jaipur-13 M : 9929076022

UP TO DISCOUNT FOR MAHESHWARIS ONLY 15%



LIC
भारतीय जीवन बीमा निगम
LIFE INSURANCE CORPORATION OF INDIA

भारतीय जीवन बीमा निगम

- Pension Plan
- Income Continuity Plan
- Children Marriage / Education many more attractive plan
- Loan Liability etc....
- Religare Health Insurance (Mediclaim) (Free Health Check-up Facility Available)

Our belief create and save
Free Policy Servicing also Available
Call : 9309337880

आलोक कुमार माहेश्वरी बम्बाला सेक्टर-5, प्रताप नगर, सांगानेर, जयपुर
email: alokkumarmaheshwari@gmail.com

Ghanshyam Birla (Jimmy)
Mob. No. 9829013154
9314501179

BE

Birla
ENTERPRISES
44, Gangori Bazar, Jaipur-302 001
Phone : (O) 91-141-2315324 ® 2322324
Website : www.birlaenterprises.com
Email : birlaenterprises@hotmail.com



MAKE IN INDIA

PURE STONE

TOPSTAR GRANITES
a Unit of Top Star Elect. (India) PVT. LTD.
F-596, Road No. 6, Vishwakarma Industrial Area, Jaipur-302013 (Raj.)
Ph. +91 9414074924, 0141-2280720
www.topstargranites.com
sanjaytopstar@gmail.com
sales@topstargranites.com
topstareipl@gmail.com

Sanjay Kabra



॥ जय श्री कृष्णा ॥

Shree KRISHNA Group
आपका विश्वास... हमारी पहचान...

भवानी माहेश्वरी (छापरवाल)
93146-51206

जय श्री कृष्णा प्रोपर्टीज एण्ड बिल्डर्स

सी-11-बी, दाधिची नगर, खाटू श्याम मंदिर के पास, एच.टी. लाईन रोड़
रोड नं. 5 के सामने, सीकर रोड़, जयपुर-302039 Ph.: 8766111100
E-mail : skgroup.jaipur@gmail.com I www.shreekrishnagroupindia.com

# कोरोना काल में सादगी से सम्पन्न हुई शादियों के लिए आभार...

कोरोना काल की विषम परिस्थितियों में भी आपने अपने परिवार में होने वाली शादी को स्थगित न करके सरकारी नियमों की पालना करते हुए बडी सादगी से सम्पन्न कर समाज के सभी परिवारों के सामने एक अनुकरणीय उदाहरण पेश किया है। समाज हित में आपके द्वारा उठाया गया यह उत्कृष्ट कदम सम्पूर्ण समाज के परिवारों को इसी तरह सादगीपूर्ण विवाह करने के लिए प्रेरित करेगा ऐसी हमें आशा है। श्री माहेश्वरी समाज, जयपुर की कार्यकारिणी की ओर से आपका साधूवाद एवं नवदम्पत्तिया के सुखमय जीवन के लिए बहुत–बहुत शुभकामनाएँ।

चि. रचित
सुपुत्र श्री शशि कान्त माहेश्वरी
संग
सौ.कां. ज्योति
सुपुत्री श्री प्रेमरतन डागा

विवाह दिनांक :29.06.2020

चि. कुलदीप
सुपुत्र श्री राजेन्द्र मांधणा
संग
सौ.कां. खानक
सुपुत्री श्री श्याम सुन्दर शारदा

विवाह दिनांक :29.06.2020

चि. जयकिशन
सुपुत्र श्री विमल मालानी
संग
सौ.कां. निधि
सुपुत्री श्री विष्णु करनानी

विवाह दिनांक :29.06.2020

चि. राघव
सुपुत्र श्री केशव पंसारी
संग
सौ.कां. अर्पिता
सुपुत्री श्री अरविन्द जी

विवाह दिनांक :30.06.2020

चि. रितेश
सुपुत्र डॉ. महेश माहेश्वरी
संग
सौ.कां. निशा
सुपुत्री श्री विजय कुमार तोषनीवाल

विवाह दिनांक :30.06.2020

चि. जयदीप
सुपुत्र श्री कमल किशोर मालपानी
संग
सौ.कां. अनुश्री
सुपुत्री श्री सुनील कालानी

विवाह दिनांक :30.06.2020

Deepak Bhandari
+91-9829051091
+91-9460951091

WE CREATE MEMORIES
Satkaar
Event & Decorators

WE CREATE MEMORIES
Satkaar
Caterers

कोरोना का डर नहीं रोके उत्सव की राह..... क्योंकि सत्कार पूरी करेगा आपकी चाह.....!

Rahul Jajoo
+91-9828112085

Your Trust & Safety is Our Responsibility

: Book Your Order From Home :

- Boondi/Laddu
- Gulab Jamun (Pantua)
- Moongthal
- Rasgulla
- Long Sev Namkeen
- Mathri
- Falahari Namkeen
- Khasta Kachori

On Order :

- Ras Malai
- Kaju Katli
- Moti Paak
- Fruit Cream
- Aam Rabdi
- Shri Khand

Dryfruits Also Available

Free Home Delivery
Min. Order
1000/-

Payment :
Paytm
9024643576
or Cash on Delivery

Place Your Order
(Before One Day):

We Provide Your Favorite
Food & Sweets
Made Under Sanitized Atmosphere

सातुड़ी तीज पर सत्तु
रक्षाबन्धन व सभी त्यौहारों पर
मिठाईयां उपलब्ध है।

दाल बाटी चूरमा
ऑर्डर पर उपलब्ध है।

Off. Add. :- 1156, Nirwan Marg, Jhotwara Road, Jaipur • Ph.: 0141-2282229
e-mail : rahul@satkaarevents.com • Web. : www.satkaarevents.com

Workshop Add. :- 21, Dayal Nagar, Gopalpura Bypass, Jaipur

We Also Provide Food & Sweets For Small Parties on Order

## ऐ जयपुर मायूस न हो

ऐ जयपुर मायूस न हो
रुकना है थोड़े दिन को
थोड़ा सा बहला के रख लो
अपने इस चंचल मन को

तुमपे तो जिम्मेदारी है
सहेज कर रखने की
आमेर महल की गूंजों को
संभालना है अब तुमको ही
जलमहल की टकराती लहरों को

जयगढ़ की तोपों की भी
देखना गर्जन कम न हो
नाहरगढ़ की पहाड़ी का भी
सौन्दर्य थोड़ा भी कम न हो

मैं भी जल्द ही आऊंगी
तब तक सहला कर रख लेना
सिसोदिया के महल बगीचों को
लो एक अनुरोध करूंगी
कनक वृंदावन का माली भी
तुम्हें अकेला बनने को

ऐ आमेर महल
मैं जल्द ही आऊंगी
तुम्हें आवाज लगाऊंगी
जलमहल तेरे जल को
अंजुली भर के लेने को
जयगढ़ तेरे तोपों की
मन भर गर्जन सुनने को
ए नाहरगढ़ की पहाड़ी
तुम भी सुन लो
तेरी पगडंडियों पर मैं
कदम चाप जल्द ही बनाऊंगी

द्रव्यवती तेरी सुंदरता को
इन आँखों में भर लाने को
मैं आऊंगी मैं आऊंगी
वचन दिया है मैं जल्द ही आऊंगी

वचन मेरा निभाने को
नई प्रार्थना मैं लगाऊंगी

ऐ गोविन्द तेरे मंदिर में
जल्दी मुझे बुला लेना
मेरा मन बहलाने को
तेरा दर्शन पाने को

तेरे ही आसरे गोविन्द
कई वचन मैं दे आयी हूँ
अरदास यही है हे गोविन्द, वचनों का
मान रख लेना
अश्रु धार चरण धोये तेरे
जो बहा रहे हैं मेरे नैना

सुनीता माहेश्वरी (हुरकट)

## माँ-पिता की छाया

माता-पिता ने मिलकर
बोया था एक बीज
सुंदर सपने नैनों में बांध
मेहनत से रहे थे, उसको सींच।
उसकी देखरेख में हो गये
इतने मशगूल
दुनिया की क्या बात करें
वो खुद को ही गये भूल।
बीज से जब कोंपल फूटी
तो खिल गये दोनों फूल
पौधा जड़ें गहरी जमाये
कोई तूफान ना उसे डिगाये।
ऐसा कर्म वो करते जाये
पौधा मजबूत दरख्त बना तो
खुशी से ना फूले समाये
बीज से दरख्त बनाने में
कई त्याग, बलिदान किये
हंसते-हंसते सह गये सब दु:ख
पेड़ को मिले जीवन का हर सुख
यही कामना हमेशा रहेगी
जब तक माँ-पिता की छाया
रहेगी।

● विनिता काबरा

## दिव्य दृष्टि

दिव्य दृष्टि का जीवन हो
छल कपट नहीं चाहिये मुझको
आत्मा मेरी साफ स्वच्छन्द हो
कष्टों को सहने की क्षमता हो
मुखार बिन्दु पर लालिमा हो
**दिव्य दृष्टि का जीवन हो**
नहीं चाहिये मुझे सोना, चाँदी
नहीं चाहिये मुझे धन, दौलत
हाथ उठे मेरे धर्म, कर्म में
ऐसा मेरा जीवन हो
**दिव्य दृष्टि का जीवन हो**
नेत्र खुले मेरे प्रभु दर्शन को
श्याम सुन्दर सा अपनापन हो
मानव सेवा धर्म हो मेरा
सुखद सुख का अनुभव हो
**दिव्य दृष्टि का जीवन हो।**

■ बसन्ती तापड़िया

## पगडण्डी

मीत प्रकृति की मौलिक तू है, सारी गाथा मौखिक तू है।
जल से थल तू थल से जल तू, घन्टों कभी मिनट से पल तू।
राही चलते झूम रही तू, आड़ी तिरछी घूम रही तू।
गोचर गाँव बनावट है तू, पैदल पाँव सजावट है तू।
गलियों की छोटी बहना तू, कलियों सी ढोटी रहना तू।
इतरा कर बल खाती क्यों है, छितरा कर ढल जाती क्यों है।
जब तब परिभाषित कतार है, जमघट अनुशासित कगार है।
चलें रुकें फरमा दे अब तू, ढलें झुकें शरमा दे अब तू।
सच सुखदाई सफर जंचे तू, और नहीं पथ सबर रचे तू।
खता आपदा सकल हरे तू, पता लापता सरल करे तू।
गाँव खेत फुलवारी लख तू, छाँव हेत खुशवारी रख तू।
महलों सम्मुख कुटिया तू है, पतली लम्बी चुटिया तू है।
निकट जहाँ पर उजास तू है, विकट जहाँ पर उदास तू है।
जमी पहाड़ पठारों पर तू, रमी उजाड़ बहारों पर तू।
डगर बाट और लीक है तू, जगह मिली जरा नीक है तू।
बँटती जब दो हिस्सों में तू, कही गई सौ किस्सों में तू।
कदमों चल के राह बनी तू, बाल वाटिका चाह घनी तू।
पथिक बदले तू तो वही है, कई मचले तू तो सही है।
काँकर पाथर कहीं घास है, मिले ठिकाना यही आस है।
आवाजाही थके नहीं तू, गुमसुम राही चूके नहीं तू।
बस्ती जंगल जोड़ हुई, मस्ती मंगल होड़ हुई तू।
मंजिल से मिलवा दे अब तू, दिलो चमन खिलवा दे अब तू।
उतार चढ़ाव भरी हुई तू, बारिश पड़ाव हरी हुई तू।
पथिकों का हित फानी तू है, पथ जो राजा रानी तू है।
मन भावन वनखण्डी शुभ है,
सदाचार पगडण्डी शुभ है
अरिमर्दन रणचण्डी शुभ है।

द्वारका प्रसाद तापड़िया

## The Black Americans

Martin Luther King, Barack Obama & Abraham Lincoln, credited as best pupils of the American History. But, Black Yes, Black. Even after being well developed, America has racial discrimination as its dark side.

Can anyone even think that a country like America, would have to face riots, loots and fires only due to racial discriminations.

Conditions are so bad, that the future of a person is decided by his skin colour being a democracy, black Americans have full right to oppose this wrong mindset. At such a time, it's the duty of the President to control, convence & stop people. During the corona crisis, it is more surprising that country who was once able to stop & defeat the whole world, is now unable to stop his own people.

This completely shows the irresponsibility of the government as well as the people who elected it. Sometimes when throne is much more important for a presidents, situation has to occur. Even then, the President is believing in warning the people through use of Military.

Killing of george Floid, without mercy is an act completely against justice. This murder has again shown the world that all the steps taken by American government in favour of Black Americans were just a part of formality. Still today, whites have no respect and love for blacks. Whites have still a feeling of hatred against Black which needs to be changed.

Rashi Dhoot

# 90% से अधिक अंक प्राप्त करने पर बधाई...

## Class XIIth CBSE

**प्रीति**
सुपुत्री श्री इन्दर मूंदड़ा
97.6% अंक

**तनुश्री**
सुपुत्री श्री अरविन्द सारड़ा
96.8% अंक

**आस्था**
सुपुत्री श्री पंकज सारड़ा
96.4% अंक

**चारुशी**
सुपुत्री श्री प्रवीण साबू
95.2% अंक

**प्राची**
सुपुत्री श्री प्रेमनारायण धूपड़
95.2% अंक

**केशव**
सुपुत्र श्री शशि कुमार माहेश्वरी
94.6% अंक

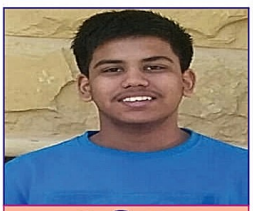

**आदित्य**
सुपुत्र श्री संजय माहेश्वरी
94.2% अंक

**मनन**
सुपुत्र श्री सुरेश कुमार लढ्ढ़ा
93.6% अंक

**श्रुति**
सुपुत्री श्री चन्द्र प्रकाश गुप्ता
93.6% अंक

**आंचल**
सुपुत्री श्री श्यामसुन्दर माहेश्वरी
93.2% अंक

## Class XIIth RBSE

**कृतिका**
सुपुत्री श्री श्रीधर साबू
92.2% अंक

## Class Xth CBSE

**आयुषी**
सुपुत्री श्री मनीष सारड़ा
98.2% अंक

**सौम्या**
सुपुत्री श्री अजय परवाल
98% अंक

**भव्या**
सुपुत्री श्री जितेश बियानी
95.6% अंक

**अक्षत**
सुपुत्र श्री अमित मनिहार
94.8% अंक

**मेघावी**
सुपुत्री श्री अंकुर चितलांगिया
94.4% अंक

**राधिका**
सुपुत्री श्री अमित कचोलिया
93.8% अंक

**वृन्दा**
सुपुत्री श्री सुधीर कुमार धूत
93.6% अंक

**राधिका**
सुपुत्री श्री संतोष माहेश्वरी
92.4% अंक

## जोधपुर में सहायक कलेक्टर का पद भार संभाल कर अपूर्वा परवाल ने समाज का गौरव बढ़ाया

श्री माहेश्वरी समाज, जयपुर द्वारा संचालित एम.जी.पी.एस. विद्याधर नगर की मेघावी छात्रा रही अपूर्वा परवाल पुत्री श्री महेश परवाल (वैशाली नगर) ने प्रथम प्रयास में ही प्रशासनिक सेवा परीक्षा की गर्ल्स केटेगरी में नौवां स्थान प्राप्त कर जोधपुर में सहायक कलेक्टर का पदभार संम्भाला। इस उपलब्धि ने सम्पूर्ण समाज को गौरवान्वित किया। बधाई एवं शुभकामनाएँ...

## रोगी वाहन संचालन समिति

संयोजक: श्री सत्येन्द्र डोडिया–9829436173

सदस्यगण:

जोन–1 श्री अनुप फलोड़ (9928011915)
जोन–2 श्री नटवर हुरकट (9462223620)
जोन–3 श्री अमित मूंदड़ा (9982222474)
जोन–4 श्री गिरिराज लढ्ढ़ा (9828062736)
जोन–5 श्री राजेश नुवाल (9460071324)
जोन–6 श्री प्रवीण भूतड़ा (9829049080)

## आभार

कोरोना वायरस के खिलाफ जंग में जरुरतमंद माहेश्वरी परिवारों की मदद के लिए माहेश्वरी बन्धुओं से प्राप्त कुल राशि 7,45,897.00 की सुची पिछले अंक में प्रकाशित हुई थी।

श्री मुकेश कुमार जी लढ्ढ़ा से 11000 रूपये की राशि और प्राप्त हुई है जिसके लिए आभार...

MPS-संस्कृति की बालिका कुमारी नव्या माहेश्वरी सुपुत्री निखिल–स्वाति मंत्री ने अपनी बचत में से 2100 रूपये प्रधानमंत्री कोष में कोरोना से पीडितों की सहायतार्थ जमा करवाये। इस कल्याणकारी कार्य के प्रेरक उनके परिवारजनों का आभार...

## लॉकडाउन अवधि में अपेक्स हॉस्पिटल द्वारा निःशुल्क सेवायें

लॉकडाउन अवधि में जहाँ घर से बाहर निकलना सम्भव नहीं था ऐसी विकट परिस्थिति में अपेक्स हास्पिटल द्वारा माहेश्वरी बन्धुओं को आउटडोर में दिये गये निःशुल्क परामर्श एवं निःशुल्क एम्बुलेंस सेवा के लिए आभार...

**GOPAL DAMANI**
7008500295

*With best compliments from :*

**SHYAM DAMANI**
M.: 9351202808
M.: 8003620669

(Bikaner Wale)

# Shree Lal Damani & Sons

**SPECIALIST IN SUPERNET KOTA**
**ALL TYPES OF FANCY SAREES & SUITS**

**Join our Facebook Page- shreelaldamani for Online Shopping with us**

**COD Facility Available** **Whatsapp No. : 8003620669**

**Sister Concerns :**

**SHREE LAL DAMANI & CO.**
Kolkata M.: 9830851995

**SHREE LAL DAMANI**
Bikaner M.: 9414143001

LG-8, (Ground Floor), Navjeevan Plaza, M.I. Road, JAIPUR
E-mail : shreelaldamaniandsons@gmail.com

# BIHANI ORTHO-SPINE CLINIC

G 33-34, Vijaylaxmi Tower, Central Spine, Vidhyadhar Nagar,
Sector - 6, Near Dana Pani Restaurant, Jaipur



**डॉ. मोहित बिहाणी**
स्पाइन, हड्डी एवं जोड़ रोग विशेषज्ञ
( स्विट्ज़रलैण्ड, जर्मनी, आंध्रप्रदेश व चंडीगढ़ से प्रशिक्षित )
MBBS, DNB (Ortho), MNAMS Ortho-Spine Surgeon
9950082342, 9664265165




**निम्न लक्षणों वाले रोगियों के लिये परामर्श**

- कमर दर्द
- गर्दन दर्द
- रीढ़ की हड्डी के फ्रेक्चर
- रीढ़ की हड्डी में कूब
- कंधे व बॉह में दर्द या झनझनाहट
- साईटिका, स्लिप डिस्क
- स्पाइन टीबी
- सरवाईकल स्पोंडिलोसिस
- कमर के निचले हिस्से से एक या दोनों पैरों में दर्द या सुन्नपन (झनझनाहट)

*Visiting hours: 9 A.M. to 1 P.M.*

**All Patients visiting our clinic are advised to wear a mask, carry hand sanitizers, download & install "Arogya Setu App" and follow social distancing norms at clinic.**

**Fix an appointment before visiting only if it is urgent to consult.**

# नवदम्पत्तियों को सुखमय जीवन की शुभकामनाएँ

| दिनांक | वर | वर के पिता/माता | वधू | वधू के पिता/माता |
|---|---|---|---|---|
| 25.06.2020 | हर्षवर्धन | श्री आनन्द बागड़ी | वेदिका | श्री रामकुमार कासट |
| 25.06.2020 | चिरंजीव | श्री द्वारका प्रसाद मूंदड़ा | सोनल | श्री जगदीश प्रसाद बजाज |
| 28.06.2020 | गौरव | श्री मुरली मनोहर जी | नेहा | श्री सुरेश काबरा |
| 29.06.2020 | जयकिशन | श्री विमल मालानी | निधि | श्री विष्णु करनानी |
| 29.06.2020 | रचित | श्री शशि कान्त माहेश्वरी | ज्योति | श्री प्रेमरतन डागा |
| 29.06.2020 | कुलदीप | श्री राजेन्द्र मांधणा | खनक | श्री श्याम सुन्दर शारदा |
| 29.06.2020 | महेश | श्री रामअवतार झँवर | सुगन्ध | श्रीमती सरिता देवी मालपानी |
| 30.06.2020 | रितेश | डॉ. महेश माहेश्वरी | निशा | श्री विजय कुमार तोषनीवाल |
| 30.06.2020 | जयदीप | श्री कमल किशोर मालपानी | अनुश्री | श्री सुनील कालानी |
| 30.06.2020 | राघव | श्री पंकज तोतला | माधुरी | श्री संतोष कुमार बिरला |
| 30.06.2020 | राघव | श्री केशव पंसारी | अर्पिता | श्री अरविन्द जी |
| 30.06.2020 | शिवम | श्री सुधीर जाजू | विनिता | श्री रामअवतार खटोड़ |
| 30.06.2020 | लक्ष्य | श्री रूपचन्द करनानी | शोभिका | श्री संजय पेडीवाल |
| 30.06.2020 | सुमित | श्री सीताराम सिंघची | कृतिका | श्रीमती शशि डागा |

## बधाई

| दिनांक | नाम | | | प्रयोजन |
|---|---|---|---|---|
| 20.06.2020 | श्रीमती निशा | एवं | श्री गिरिराज जी लढ्ढ़ा | विवाह की रजत जयंती |
| 26.06.2020 | श्रीमती पुष्पा | एवं | श्री रमेश जी परवाल | विवाह की स्वर्ण जयंती |
| 28.06.2020 | श्रीमती सावित्री | एवं | श्री मदन लाल जी राठी | विवाह की स्वर्ण जयंती |
| 07.07.2020 | श्रीमती मीनू | एवं | श्री मनोज जी सारड़ा | विवाह की रजत जयंती |

## महेश नवमी पर पूजा-आरती के लिए 10 परिवारों को पुरस्कार

कोरोना महामारी की वजह से महेश नवमी का पावन पर्व सामूहिक रूप से एकत्रित होकर नहीं मनाने के कारण श्री माहेश्वरी समाज, जयपुर द्वारा माहेश्वरी परिवारों से अपने-अपने घरों में पारम्परिक पूजा एवं आरती का आग्रह किया गया था। पूजा एवं आरती की रिकॉर्डिंग का वीडियो सभी परिवारों से आमंत्रित कर सर्वश्रेष्ठ 10 वीडियो का चयन किया गया। प्रायोजक मैसर्स वेदांता नोटबुक इंडस्ट्री के श्री निर्मल जी दरगड़ द्वारा वितरित किये गये।

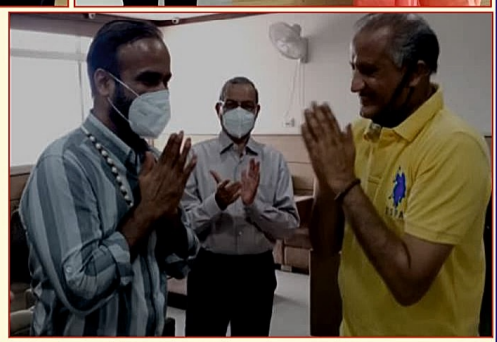

# स्मृतिशेष स्वजनों को श्रद्धांजलि एवं श्रद्धासुमन

विगत दिनों हमारे समाज के कुछ बंधु/बहनें हमसे बिछुड़ गए। समाज अध्यक्ष, महामंत्री एवं कार्यकारिणी सदस्यों की ओर से उनके शोक संतप्त परिवारों को हार्दिक संवेदनाएं प्रेषित हैं। ईश्वर से प्रार्थना है कि दिव्यात्माओं को अपने श्रीचरणों में स्थान दें।

## श्री रामस्वरूप जैथलिया का निधन

धर्मपरायण समाजसेवी भामाशाह श्री रामस्वरूप जी जैथलिया (जालौर) का गत् 28 जून को निधन हो गया।

आप अ.भा.माहेश्वरी महासभा के सक्रिय सदस्य तथा माहेश्वरी सेवा सदन, पुष्कर के फाउण्डर ट्रस्टी थे। आपने माहेश्वरी परमार्थ संस्थान, पुष्कर की स्थापना भी की। सन् 1999 में श्री गिर्राजधरण माहेश्वरी सेवा ट्रस्ट की स्थापना के मूल में भी आप थे। आप द्वारा द्वारिकाधाम में श्री माहेश्वरी सेवा कुंज के नाम से एक विशाल भवन का निर्माण करवाया गया। श्री जैथलिया ने पुरी (ओडिशा) में समुद्र किनारे पर छत्तीस हजार वर्गफुट का एक भूखण्ड ट्रस्ट के नाम से क्रय किया, जिस पर आधुनिक सुविधायुक्त भवन का निर्माण शुरू होना प्रस्तावित है।

श्री राधेश्याम बियानी
16.06.2020

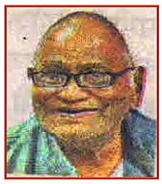

श्री ओम प्रकाश काबरा
16.06.2020

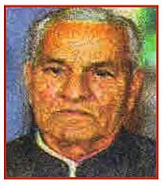

श्री नन्दकिशोर परवाल
20.06.2020

श्री नन्दकिशोर माहेश्वरी
30.06.2020

श्री सौरभ माहेश्वरी (रॉबिन)
04.07.2020

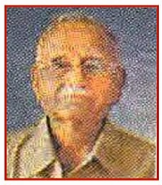

श्री प्रहलादराय काबरा
06.07.2020

श्री अशोक सोढ़ानी
07.07.2020

श्री वैदिक (माधव) माहेश्वरी
08.07.2020

## विद्युत चालित एवं पारदर्शी ''जागृति अन्तिम दर्शनिका''

अन्तिम संस्कार में देरी की संभावना हो तो, मृत शरीर को ज्यों का त्यों बिना बर्फ आदि के कई दिनों तक 'जागृति अन्तिम दर्शनिका' में अन्तिम दर्शन हेतु यथा स्थिति में आपके घर पर ही रखा जा सकता है। मृत शरीर के डीकम्पोज होने व इससे होने वाले संक्रमण से परिवार व मित्र बच पाते हैं। यह सुविधा 24 घण्टे पूर्ण रूप से निःशुल्क उपलब्ध है।

**सम्पर्क सूत्र :- जयकृष्ण जाजू-98290 53031, सुदर्शन फोमरा-93140 36672, आनन्द दम्मानी-93145 00979**

## गणगौर सेवा केन्द्र

''गणगौर हाऊस'' प्लॉट नं. 166, सेक्टर-2, गणेश पार्क के पास,
''उत्सव'' जनोपयोगी भवन के पीछे, विद्याधर नगर, जयपुर। फोन : 2235363

**मेडिकल इक्विपमेंट्स व फर्नीचर की सेवाएं निःशुल्क उपलब्ध**

★ मेडिकल पलंग ★ व्हील चेयर ★ वाकर ★ स्टिक ★ टॉयलेट पॉट
★ टॉयलेट चेयर ★ बैसाखी ★ बैक रेस्ट ★ यूरिन पॉट

सम्पर्क करें :- **गणगौर बैसन शॉप,** खण्डेला हाऊस, चाँदपोल बाहर, बस स्टैण्ड के पास, झोटवाड़ा रोड, जयपुर, फोन : 0141-2283111

# कमल डाइग्नोस्टिक एवं रिसर्च सेन्टर

KAMAL DIAGNOSTIC & RESEARCH CENTRE KDRC JAIPUR

O-5, हॉस्पिटल मार्ग, एस.एम.एस. हॉस्पिटल के सामने, सी-स्कीम, जयपुर-302001

फोन : 0141-6452922, 2374777, 4039727

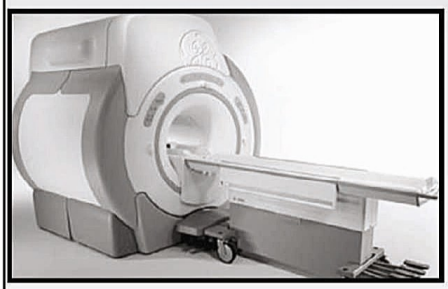

**सुविधाएँ**

★ M.R.I. 1-5 Tesla ★ सी.टी. स्केन

★ सोनोग्राफी (3D/4D) ★ कलर डॉपलर ★ डिजिटल एक्सरे

★ ईको ★ ई.सी.जी. ★ ई.ई.जी. ★ सी.टी.एम.टी. ★ एन.सी.वी. ★ बायोप्सी ★ एफ.एन.ए.सी. ★ ऑडियोमेट्री

**एम्बुलेंस सुविधा उपलब्ध**

सभी प्रकार के बायोकेमिकल, हेमटोलोजिकल लेबोरेटरी टेस्ट की सुविधा

डॉ. कमल अग्रवाल 98291-59029

निर्मल मूंदड़ा 98290-50202

डॉ. गौतम शर्मा 94140-74005

**माहेश्वरी बंधुओं के लिये विशेष रियायत**

## श्री माहेश्वरी समाज, जयपुर

### जनोपयोगी भवन

# ''अभिनन्दन''

कृष्णा सागर कॉलोनी, पत्रकार कॉलोनी रोड

वी.टी. रोड के सामने, मानसरोवर, जयपुर-302020

सम्पर्क : फोन : 0141-2980658-60, मो.: 7414038883

**अत्याधुनिक सुविधा सम्पन्न**

- 70 कमरे (8 डॉरमेट्री सहित)
- भव्य बैंक्वेट हॉल (105'x 78'-डबल हाइट)
- मुख्य डायनिंग हॉल (ग्राउंड फ्लोर पर)
- 2 मिनी बैंक्वेट हॉल, 2 डायनिंग हॉल
- 4 किचन (2 बड़े व 2 छोटे)
- 2 पैसेंजर लिफ्ट, 1 लगेज लिफ्ट

★सम्पूर्ण 'अभिनन्दन' भवन का किराया 1,68,000/- रु. प्रतिदिन + जीएसटी

ग्राउण्ड फ्लोर : डायनिंग हॉल, लॉन व किचन

द्वितीय तल : 22 कमरे (4 डॉरमेट्री सहित)

चतुर्थ तल : 13 कमरे, 1 मिनी हॉल, 1 डायनिंग हॉल, किचन

प्रथम तल : मुख्य बैंक्वेट हॉल (डबल हाइट)

तृतीय तल : 13 कमरे, 1 मिनी हॉल, 1 डायनिंग हॉल, किचन

पंचम तल : 22 कमरे (4 डॉरमेट्री सहित)

भवन में सभी मांगलिक कार्यक्रमों के लिए दिनांक 20.11.2020 तक किराया राशि में विशेष छूटः-

1. माहेश्वरी एवं अन्य समाज बन्धुओं के मांगलिक व धार्मिक कार्यक्रमों के लिए भवन किराया राशि में 50 प्रतिशत की छूट।
2. Unit-I (Ground Floor) एवं Unit-II (Banquet Hall) की बुकिंग एक साथ करवाने पर किराया मात्र 30,000/- रुपये।
3. Unit-IV व Unit-V का किराया मात्र 13,000/- प्रति यूनिट व Mini Hall में भोजन व्यवस्था करने पर 5000/- रुपये के स्थान पर 3000/- रूपये अतिरिक्त देय होगा।
4. माहेश्वरी परिवारों को बर्तन भण्डार, कुर्सी, कारपेट एवं डीप फ्रीज के किराये में 50 प्रतिशत की छूट।

| प्रदीप बाहेती | बजरंग लाल बाहेती | बिहारी लाल साबू | गोपाल लाल मालपानी |
|---|---|---|---|
| अध्यक्ष | चेयरमैन | सचिव | महामंत्री |
| 98290 55050 | 98290 79200 | 98290 11181 | 99823 33103 |

# आप सभी के मांगलिक कार्यों में कैटरिंग

एवं सुसज्जित विवाह स्थल **सोढाणी फार्म्स**

बैंक्वेट हॉल–गार्डन की अपार सफलता के बाद

ॐ **केटर्स**

(A Unit of Om Sodhani)

का नया उपक्रम

# मिठाई शॉप

कोविड-19 को ध्यान में रखते हुए शुद्ध, स्वादिष्ट व उचित मूल्य पर आपके घर तक मिठाइयाँ पहुँचाने के लिए समर्पित

INAUGURAL OFFER

Kaju Katli ₹ 499/- Per kg
Rasgulla ₹ 199/- Per kg
Thal ki Barfi ₹ 299/- Per kg
Moongthal ₹ 279/- Per kg
Gulabjamun ₹ 299/- Per kg
Sikran (Sodhani Special) ₹ 299/- Per kg
Meethi Chutney ₹ 349/-
(Sonth vaali -Agra Special)
Kachori (Hing) ₹ 10/- Per pc
Samosa ₹ 10/- Per pc
And all other sweets available!

**सातुडी तीज स्पेशल** सभी प्रकार के सातु उपलब्ध सातु ₹ 299/- Per kg

हरियाली तीज स्पेशल घेवर फीका ₹ 549/- मीठा ₹ 449/- रबड़ी ₹ 449/- Per kg

SF SODHANI'S FRESH Fresh Fruits & Vegetables at your doorstep.

Free Home Delivery on Orders Above Rs. 1000/-

D-2, Om Catters, Jp Colony, Tonk Phatak, Jaipur

Payment Mode: 95494 83179
पे Paytm G Pay
Cash on Delivery also Available

Contact:
96806-58815
94143-58815


स्वत्त्वाधिकारी श्री माहेश्वरी समाज, जयपुर के लिए प्रकाशक- मुद्रक गोपाल लाल मालपानी, महामंत्री द्वारा रेनबो प्रिन्टर्स, जयपुर से मुद्रित एवं श्री माहेश्वरी भवन, सिंघी जी का रास्ता, चौड़ा रास्ता, जयपुर-302003 से प्रकाशित। सम्पादक- रामदास कोठ्यारी